सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 20, नई दिल्ली

बुधवार, 05 अप्रैल 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

"सफलता की ख़ुशी मनाना अच्छा है पर, उससे जरूरी है अपनी असफलता से सीख लेना !

इनसाइड

गडकरी से मिले कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, दिया मसूरी में टनल के शिलान्यास का न्यौता

देहरादून। मंत्री गणेश जोशी ने केंद्रीय मंत्री गडकरी को अवगत कराया कि देहरादून-मसूरी मोटर मार्ग के वैकल्पिक मार्ग के तौर पर प्रयोग होने वाले किमाड़ी मोटर मार्ग, किया जाता है । लेकिन इस रास्ते की हालत खस्ताहाल है। उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज दिल्ली में केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। मंत्री गणेश जोशी ने उनसे देहरादून-किमाड़ी मोटर मार्ग चौड़ीकरण व सुधारीकरण का अनुरोध किया। साथ ही मसूरी के लिए स्वीकृत लगभग तीन किलोमीटर लंबी टनल का शिलान्यास करने के लिए भी न्यौता दिया। जिस पर केंद्रीय मंत्री ने टनल का शिलान्यास करने के लिए शीघ्र उत्तराखंड आने का भरोसा दिलाया।

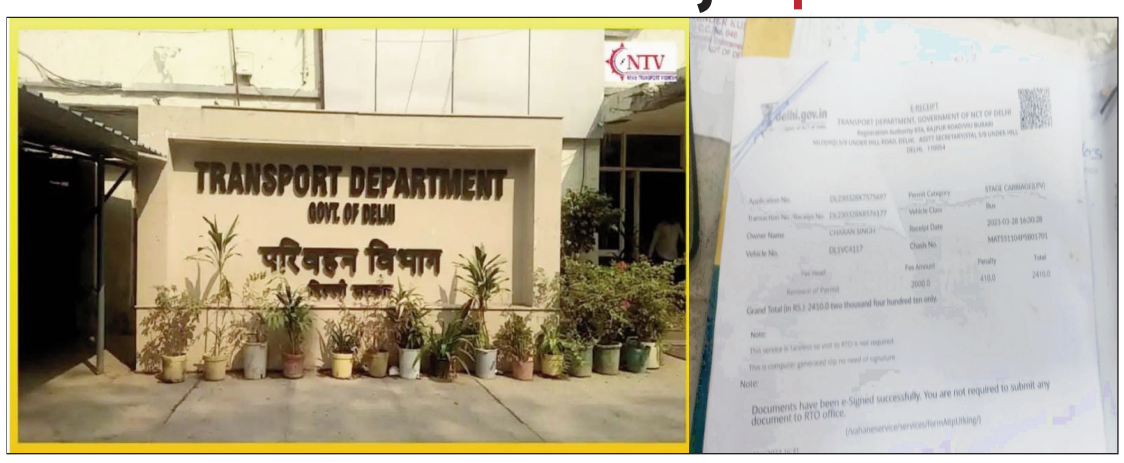

दिल्ली परिवहन विभाग किसके लिए, बड़ा सवाल ?

संजय बाटला

नई दिल्ली। परिवहन विभाग द्वारा दिल्ली के वाहन मालिको से गैर कानूनी तरीके से फीस लेकर सरकार के राजस्व में इज़ाफ़ा करवाने का सबूत आया सामने,

वाहन के परमिट के लिए ली जाने वाली फीस सड़क परिवहन एवम् राजमार्ग मंत्रालय और दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा एमवी एक्ट और रूल में व्यक्त है और साथ ही यह भी बताया गया है कि कितने समय पहले उस परमिट के लिए दुबारा रिन्यू के लिए फीस जमा करवा सकते हैं।

दिल्ली परिवहन विभाग में एक वाहन मालिक के द्वारा 2022 में अपने परमिट के नवीनीकरण (रिन्यू) की फीस जमा करवाई जो कि 5 साल के लिए थी यानी 2027 तक।

वाहन की उस परमिट पर चलने की समय सीमा 2023 तक थी जिसके लिए परिवहन विभाग द्वारा उस मालिक को वाहन का परमिट नवीनीकरण (रिन्यू) 2023 तक करके जारी कर दिया,

वाहन मालिक के द्वारा वाहन का परमिट रिप्लेसमेंट मोड़ यानी नए वाहन को अपने पुराने वाहन के लिए ज़ारी परमिट पर लाने के लिए जमा कर दिया गया,

वाहन मालिक द्वारा जिस दिन रिप्लेसमेंट मोड़ में परमिट जमा करवा कर रिप्लेसमेंट स्लिप प्राप्त की गई उस दिन तक उस पर कोई देरी का जुर्माना बकाया नही था

नियम के अनुसार वाहन को रिप्लेसमेंट करवाने के बाद बिना किसी जुर्माना भरे 120 दिन में नया वाहन खरीद कर उस परमिट पर चढ़वाया जा सकता है,

वाहन मालिक द्वारा 10 दिनों में ही नया वाहन खरीद कर अपने पुराने वाहन की जगह उस परमिट पर चढवाने के लिए परिवहन विभाग में प्रस्तुत कर दिया,

वाहन मालिक को नए वाहन पर उसके पुराने वाहन की जगह नए वाहन पर जो परमिट प्रदान किया गया वह उसी तारीख तक मान्य था जिस तारीख को उसका पुराने वाहन के लिए परमिट जारी किया गया था क्योंकि उस वाहन की परमिट श्रेणी के अनुसार सड़क पर चलने की समय सीमा समाप्त हो रही थी,

वाहन मालिक द्वारा परिवहन विभाग को बताया गया की उसके द्वारा इस परमिट के लिए 2027 तक की फीस जमा करवाई हुई है पर उसकी बात किसी ने नहीं सुनी और उसे उसके परमिट के नवीनीकरण (रिन्यू) के लिए दुबारा फीस जमा करवाने के लिए कह दिया,

अचम्बा

वाहन मालिक द्वारा परमिट फीस जमा होने के बावजूद जब दुबारा उसी परमिट के नवीनीकरण (रिन्यू) की फीस कटवाने लगा तो फीस के साथ उससे जुर्माना भी मांगा गया वह भी उस समय के लिए जब वह परमिट रिप्लेसमेंट मोड़ में जमा था,

अब आप समझ सकते है की परिवहन विभाग ने सरकार के राजस्व में इज़ाफ़ा करवाने के लिए किस आधार पर मालिको के साथ ठगी यानी गैर कानूनी तरीके से पैसा वसूल करने के लिए एप प्रोग्राम बनवा रखे हैं और सच तो यह भी है की आप किसी से भी शिकायत करके देख ले असर जीरो पाएंगे।

जनहित में जारी

ना किसी के दबाव में, ना किसी के प्रभाव में !!!
निर्भकता से आपके लिए प्रस्तुत करे खबरे
सिर्फ और सिर्फ, सच :- परिवहन विशेष

अब आपके लिए अवसर परिवहन विशेष समाचार पत्र मे काम करने का

अगर आप को पत्रकारिता का शौक है और जनहित के मुद्दों को लिखने/उठाने और उनका हल करवाने के इच्छुक है तो आप परिवहन विशेष (हिन्दी दैनिक) समाचार पत्र के साथ जुड़कर अपना सपना/इच्छा पूरी कर सकते हैं।

इस फेलोशिप के जरिए आपको मिलेगा पत्रकारिता में सफलता प्राप्त कर पत्रकार बनने के अवसर । फेलोशिप के दौरान आप देश के हिन्दी अखबार दैनिक के साथ काम कर पाएंगे। 15 माह की फेलोशिप पूरी करने के बाद आपके पास होगा परिवहन विशेष में नौकरी करने का अवसर ।

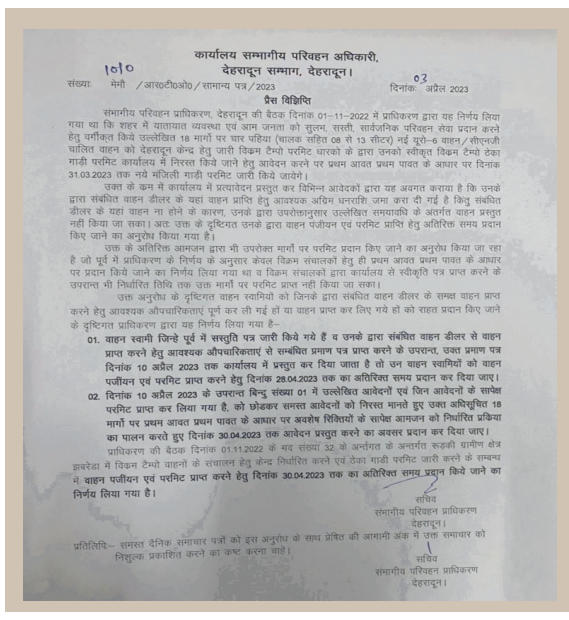

जर्नलिजम प्रिंट एवं डिजिटल फेलोशिप

फेलोशिप के दौरान दूसरे माह से कार्य करने के प्रति जागरूकता और क्षमता के अनुसार मासिक स्टाइपेंड दिया जाएगा।

जरूरी योग्यता :-हिन्दी बोलने, पढ़ने और लिखने में दक्षता।

आवेदन 25 मार्च 2023 से 30 अप्रैल 2023 के बीच किए जा सकते हैं।

newstransportvishesh@gmail.com
www.newstransportvishesh.com

कार्यालय सम्भागीय परिवहन अधिकारी,
देहरादून सम्भाग, देहरादून।

1010

संख्याः मेमौ /आर0टी0ओ0/सामान्य पत्र/2023 दिनांकः 03 अप्रैल 2023

प्रैस विज्ञिप्ति

संभागीय परिवहन प्राधिकरण, देहरादून की बैठक दिनांक 01–11–2022 में प्राधिकरण द्वारा यह निर्णय लिया गया था कि शहर में यातायात व्यवस्था एवं आम जनता को सुलभ, सस्ती, सार्वजनिक परिवहन सेवा प्रदान करने हेतु वर्गीकृत किये उल्लेखित 18 मार्गो पर चार पहिया (चालक सहित 08 से 13 सीटर) नई यूरो–6 वाहन/सीएनजी चालित वाहन को देहरादून केन्द्र हेतु जारी विक्रम टैम्पो परमिट धारको के द्वारा उनको स्वीकृत विक्रम टैम्पो ठेका गाड़ी परमिट कार्यालय में निरस्त किये जाने हेतु आवेदन करने पर प्रथम आवत प्रथम पावत के आधार पर दिनांक 31.03.2023 तक नये मंजिली गाड़ी परमिट जारी किये जायेगे।

उक्त के कम में कार्यालय में प्रत्यावेदन प्रस्तुत कर विभिन्न आवेदकों द्वारा यह अवगत कराया है कि उनके द्वारा संबंधित वाहन डीलर के यहां वाहन प्राप्ति हेतु आवश्यक अग्रिम धनराशि जमा करा दी गई है किंतु संबंधित डीलर के यहां वाहन ना होने के कारण, उनके द्वारा उपरोक्तानुसार उल्लेखित समयावधि के अंतर्गत वाहन प्रस्तुत नहीं किया जा सका। अतः उक्त के दृष्टिगत उनके द्वारा वाहन पंजीयन एवं परमिट प्राप्ति हेतु अतिरिक्त समय प्रदान किए जाने का अनुरोध किया गया है।

उक्त के अतिरिक्त आमजन द्वारा भी उपरोक्त मार्गो पर परमिट प्रदान किए जाने का अनुरोध किया जा रहा है जो पूर्व में प्राधिकरण के निर्णय के अनुसार केवल विक्रम संचालकों हेतु ही प्रथम आवत प्रथम पावत के आधार पर प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया था व विक्रम संचालकों द्वारा कार्यालय से स्वीकृति पत्र प्राप्त करने के उपरान्त भी निर्धारित तिथि तक उक्त मार्गो पर परमिट प्राप्त नहीं किया जा सका।

उक्त अनुरोध के दृष्टिगत वाहन स्वामियों को जिनके द्वारा संबंधित वाहन डीलर के समक्ष वाहन प्राप्त करने हेतु आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर ली गई हों या वाहन प्राप्त कर लिए गये हों को राहत प्रदान किए जाने के दृष्टिगत प्राधिकरण द्वारा यह निर्णय लिया गया है–

01. वाहन स्वामी जिन्हे पूर्व में सस्तुति पत्र जारी किये गये हैं व उनके द्वारा संबंधित वाहन डीलर से वाहन प्राप्त करने हेतु आवश्यक औपचारिकताएं से सम्बंधित प्रमाण पत्र प्राप्त करने के उपरान्त, उक्त प्रमाण पत्र दिनांक 10 अप्रैल 2023 तक कार्यालय में प्रस्तुत कर दिया जाता है तो उन वाहन स्वामियों को वाहन पर्जीयन एवं परमिट प्राप्त करने हेतु दिनांक 28.04.2023 तक का अतिरिक्त समय प्रदान कर दिया जाए।
02. दिनांक 10 अप्रैल 2023 के उपरान्त बिन्दु संख्या 01 में उल्लेखित आवेदनों एवं जिन आवेदनों के सापेक्ष परमिट प्राप्त कर लिया गया है, को छोडकर समस्त आवेदनों को निरस्त मानते हुए उक्त अधिसूचित 18 मार्गो पर प्रथम आवत प्रथम पावत के आधार पर अवशेष रिक्तियों के सापेक्ष आमजन को निर्धारित प्रकिया का पालन करते हुए दिनांक 30.04.2023 तक आवेदन प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान कर दिया जाए।

प्राधिकरण की बैठक दिनांक 01.11.2022 के मद संख्या 32 के अर्न्तगत के अन्तर्गत रूडकी ग्रामीण क्षेत्र झबरेडा में विकम टैम्पो वाहनों के संचालन हेतु केन्द्र निर्धारित करने एवं ठेका गाडी परमिट जारी करने के सम्बन्ध में वाहन पर्जीयन एवं परमिट प्राप्त करने हेतु दिनांक 30.04.2023 तक का अतिरिक्त समय प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है।

सचिव
संभागीय परिवहन प्राधिकरण
देहरादून।

प्रतिलिपि– समस्त दैनिक समाचार पत्रों को इस अनुरोध के साथ प्रेषित की आगामी अंक में उक्त समाचार को निशुल्क प्रकाशित करने का कष्ट करना चाहें।

सचिव
संभागीय परिवहन प्राधिकरण
देहरादून।

वाहन चालको को आरटीओ ने दी बड़ी राहत

परिवहन विशेष संवाददाता

देहरादून। शहर में यातायात व्यवस्था एवं आम जनता को सुलभ सस्ती सार्वजनिक परिवहन सेवा प्रदान करने हेतु वर्गीकृत किये उल्लेखित 18 मार्गो पर चार पहिया (चालक सहित 08 से 13 सीटर) नई यूरो-6 वाहन / सीएनजी चालित वाहन को देहरादून केन्द्र हेतु जारी विक्रम टैम्पो परमिट धारकों के द्वारा उनको स्वीकृत विक्रम टैम्पो ठेका गाडी परमिट कार्यालय में निरस्त किये जाने हेतु आवेदन करने पर प्रथम आवत प्रथम पावत के आधार पर दिनांक 31.03.2023 तक नये मंजिली गाड़ी परमिट जारी किये जाने थे। लेकिन अब वाहन चालको को राहत देते हुए संभागीय परिवहन प्राधिकरण देहरादून ने इसकी लास्ट डेट बढ़ा दी है।

बताया जा रहा है कि कार्यालय में प्रत्यावेदन प्रस्तुत कर विभिन्न आवेदकों द्वारा यह अवगत कराया है कि उनके द्वारा संबंधित वाहन डीलर के यहां वाहन प्राप्ति हेतु आवश्यक अग्रिम धनराशि जमा करा दी गई है किंतु संबंधित डीलर के यहां वाहन ना होने के कारण उनके द्वारा उपरोक्तानुसार उल्लेखित समयावधि के अंतर्गत वाहन प्रस्तुत नहीं किया जा सका। अतः उक्त के दृष्टिगत उनके द्वारा वाहन पंजीयन एवं परमिट प्राप्ति हेतु अतिरिक्त समय प्रदान किए जाने का अनुरोध किया गया है। जिससे देखते हुए आरटीओ ने कई बड़े फैसले लिए है।

ये हुए फैसले

उक्त अनुरोध के दृष्टिगत वाहन स्वामियों को जिनके द्वारा संबंधित वाहन डीलर के समक्ष वाहन प्राप्त करने हेतु आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर ली गई हो या वाहन प्राप्त कर लिए गये हों को राहत प्रदान किए जाने के दृष्टिगत प्राधिकरण द्वारा यह निर्णय लिया गया है-

01. वाहन स्वामी जिन्हे पूर्व में संस्तुति पत्र जारी किये गये हैं व उनके द्वारा संबंधित वाहन डीलर से वाहन प्राप्त करने हेतु आवश्यक औपचारिकताएं से सम्बंधित प्रमाण पत्र प्राप्त करने के उपरान्त उक्त प्रमाण पत्र दिनांक 10 अप्रैल 2023 तक कार्यालय में प्रस्तुत कर दिया जाता है तो उन वाहन स्वामियों को वाहन पंजीयन एवं परमिट प्राप्त करने हेतु दिनांक 28.04.2023 तक का अतिरिक्त समय प्रदान कर दिया जाए।

02. दिनांक 10 अप्रैल 2023 के उपरान्त बिन्दु संख्या 01 में उल्लेखित आवेदनों एवं जिन आवेदनों के सापेक्ष परमिट प्राप्त कर लिया गया है, को छोड़कर समस्त आवेदनों को निरस्त मानते हुए उक्त अधिसूचित 18 मार्गो पर प्रथम आवत प्रथम पावत के आधार पर अवशेष रिक्तियों के सापेक्ष आमजन को निर्धारित प्रकिया का पालन करते हुए दिनांक 30.04.2023 तक आवेदन प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान कर दिया जाए। प्राधिकरण की बैठक दिनांक 01.11.2022 के मद संख्या 32 के अर्न्तगत के अन्तर्गत रूड़की ग्रामीण क्षेत्र झबरेडा में विक्रम टैम्पो वाहनों के संचालन हेतु केन्द्र निर्धारित करने एवं ठेका गाडी परमिट जारी करने के सम्बन्ध में वाहन पंजीयन एवं परमिट प्राप्त करने हेतु दिनांक 30.04.2023 तक का अतिरिक्त समय प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

दिल्ली परिवहन विभाग नए प्रारूप वाले फॉर्मों को क्यों और किसके लिए लागू नहीं कर रहा, बड़ा सवाल?

संजय बाटला

नई दिल्ली। सड़क परिवहन एवम् राजमार्ग मंत्रालय द्वारा वाहनों की आरसी पर लोन एचपी (ए) के लिए आवश्यक फार्म 34 का प्रारूप बदलने के बावजूद परिवहन विभाग द्वारा वाहन पर लोन चढ़ाने एचपी (ए) के लिए आवश्यक फार्म 34 अभी भी पुराने प्रारूप में स्वीकार किया जा रहा हैं आख़िर क्यों ?

सड़क परिवहन एवम् राजमार्ग मंत्रालय ने वाहनों पर लोन लेने वाले मालिको के द्वारा लोन चुका देने के बाद कोई एनबीएफसी और बैंक वाहन की आरसी से लोन एचपी (टी) में देरी और परेशानी नहीं करे को मद्देनजर रखते हुए फार्म 34 में कुछ परिवर्तन कर उन्हे लागू किया था पर दिल्ली परिवहन विभाग की सभी शाखाएं अभी तक पुराने चल रहे फॉर्म 34 के प्रारूप को ही स्वीकार कर वाहनों की आरसी पर लोन एचपीए करते आ रहे हैं।

इस बात की जानकारी दिल्ली में वाहन मालिको की परेशानियों को उजागर कर हल निकलवाने में लगे गुरमीत सिंह द्वारा दी गई। उन्होने बताया कि नए प्रारूप में वाहन मालिको के हित के लिए एनबीएफसी और बैंको को लोन भर देने के बाद समय सीमा के अन्तर्गत एचपीटी प्रदान करना अनिवार्य किया गया है। अभी तक एनबीएफसी और बैंक लोन भर देने के बाद भी वाहन मालिको को एचपी (टी) देने के लिए परेशान करते रहते हैं लेकिन इस नए प्रारूप फॉर्म 34 को भर कर देने के बाद वह सभी समय सीमा में एचपी (टी) देने के लिए बाध्य होंगे और ना देने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी सम्भव है।

दिल्ली परिवहन विभाग एनबीएफसी और बैंको को समर्थन देने के लिए अभी तक पुराने प्रारूप के फॉर्म 34 को स्वीकार कर रहा है क्योंकि परिवहन विभाग की अधिकृत वेब साइट पर अभी तक फॉर्म 20, फॉर्म 21 और फॉर्म 34 पुराने प्रारूप में उपलब्ध है।

जनहित में परिवहन विभाग अपनी सभी शाखाओं को दिशा निर्देश जारी करे की वाहन के पंजीकरण, ट्रान्सफर और एचपी (ए) के लिए नए प्रारूप के ही फॉर्मो को स्वीकार किया जाए।

बताए गये 53 बस स्टैंडस शैड की जगह सिर्फ ढांचें खडे कर ऐसे ही आधे अधूरे छोड दिए गए है।

डीटीसी बस शैड बने ही नहीं , नया फर्जीवाडे का आरटीआई से हुआ खुलासा, एलजी से जांच की मांग

एस.डी सेठी

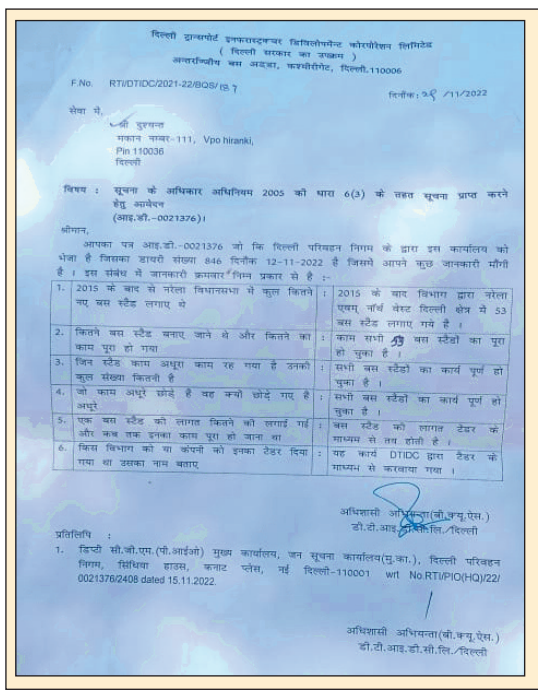

परिवहन विशेष, नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के किये फर्जीवाडे का खुलासा आरटीआई के जरिये सामने आया है। मामला नए डीटीसी बस शैडो की बावत नरेला विधानसभा के अन्तर्गत गांव हिरणकी आरडब्ल्यूए से जुडे दुष्यंत ने सूचना के अधिकार के तहत नरेला विधान सभा के तहत तमाम गांवों में डीटीसी बस स्टेंडों पर शैड लगाने की बावत कुल कितने बस शैड का निर्माण किया गया है , साथ ही उनकी कुल लागत का भी व्योरा मांगा गया था।

दुष्यंत ने बताया कि आरटीआई के तहत मिले जवाब से उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। दिल्ली सरकार के उपक्रम दिल्ली ट्रांसपोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर कार्पोरेशन लिमिटेड, कश्मीरी गेट बस अड्डा स्थित आफिस से अधिशासी अभियंता (बी.क्यू.एस) डी.टी.आई.डी.सी. लिमिटेड के द्वारा पूछे गये सवालों में बताया गया है.कि 2015 के बाद विभाग द्वारा नरेला एवंम नॉर्थ वेस्ट क्षेत्र में कुल 53 बस स्टेंड शैडों का निर्माण किया गया है। इन सभी बस स्टैड शैडों को कंप्लीट कर डीटीसी के हवाले कर दिया है।

अब ये हैरान करने वाला झूठ है कि बताए गये 53 बस स्टैंडस शैड की जगह सिर्फ ढांचें खडे कर ऐसे ही आधे अधूरे छोड दिए गए है। मजेदार बात है कि 53 बस स्टैंड शैड का जिक्र तो किया है, हैरानी की बात है कि इनमें से कई तो शैड बने ही नहीं । जो बस स्टेंड शैड बनाने का दावा किया गया है, उनके सिर्फ ढांचे खडे हैं उन पर न तो छत है और न ही बैठने की सीट ही है। जबकि विक्लांगों के चढने के रैंप , फर्श, बोर्ड तक नहीं बनाये गये हैं। जहां पेड, पौधे झंडी उग आई हैं। इस 53 डीटीसी बस स्टेंड के कथित निर्माण में करोडों का फर्जी वाडा हुआ है।

इस बावत नागरिक अधिकार आंदोलन के अध्यक्ष राजवरत आर्य, सुरेंद्र पांचाल ने डीटीसी के बस स्टेंड शैडो के फर्जी निर्माण में हुए करोडों की हेराफेरी की जांच की मांग उपराज्यपाल वीके सक्सेना की है।

इनसाइड

इस नवरात्रि बॉलीवुड हसीनाओं से लें फैशन आइडिया, खूबसूरती में लगेंगे चार चांद

चैत्र नवरात्रि 22 मार्च से शुरू हो रहे हैं. नौ दिनों तक चलने वाले इस त्योहार में लोग मां दुर्गा की पूजा अर्चना करते हैं और उपवास रखते हैं. इन नौ दिनों मे महिलाएं तरह तरह के परिधान पहनती हैं और रामनवमी के दिन गरबा डांस प्रोग्राम में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेती हैं. ऐसे में अगर आप इस साल कुछ नया स्टाइल ट्राई करना चाह रही हैं तो बॉलीवुड की खूबसूरत हसीनाओं से आउटफिट और एक्सेसरीज का आइडिया ले सकती हैं. ये आपके लुक को तो खास बनाएगा ही, आप नवरात्रि में स्पेशल भी दिखेंगी.

नवरात्रि में लाल रंग आपके लुक के लिए परफेक्ट हो सकता है. ऐसे में अगर आप सोबर डिजाइन का लाल लहंगा ढूंड रही हैं तो सारा अली खान का ये आउटफिट आपके लिए परफेक्ट होगा. वीनेक और एंकल लेंथ ब्लाउज इन दिनों काफी फैशन में है. इसके अलावा, प्लेन टेक्सचर लहंगे पर छोटे छोटे गोल्डन बूटीक वर्क लहंगे को काफी खूबसूरत बना रहा है. इसके साथ सारा ने जरी वर्क वाला हेवी दुपट्टा लिया है. सारा ने अपने इस लुक को इन्हेंस करने के लिए मांग टीका और बड़ा सा रिंग पहना है. खुले बाल और नो ज्वेलरी लुक में सारा काफी कंफर्टेबल भी दिख रही हैं. आप नवरात्रि में इस लुक को रीक्रिएट कर सकती हैं.

नवरात्रि में लाल रंग आपके लुक के लिए परफेक्ट हो सकता है. ऐसे में अगर आप सोबर डिजाइन का लाल लहंगा ढूंड रही हैं तो सारा अली खान का ये आउटफिट आपके लिए परफेक्ट होगा. वीनेक और एंकल लेंथ ब्लाउज इन दिनों काफी फैशन में है. इसके अलावा, प्लेन टेक्सचर लहंगे पर छोटे छोटे गोल्डन बूटीक वर्क लहंगे को काफी खूबसूरत बना रहा है. इसके साथ सारा ने जरी वर्क वाला हेवी दुपट्टा लिया है. सारा ने अपने इस लुक को इन्हेंस करने के लिए मांग टीका और बड़ा सा रिंग पहना है. खुले बाल और नो ज्वेलरी लुक में सारा काफी कंफर्टेबल भी दिख रही हैं. आप नवरात्रि में इस लुक को रीक्रिएट कर सकती हैं. Image : Instagram/saraalikhan95

नवरात्रि में हरा रंग भी आउटफिट के लिए अच्छा रहेगा. आप कंगना रनौत की तरह फॉरेस्ट्र ग्रीन पर गोल्डन वर्क वाला लहंगा ट्राई कर सकती हैं. कंगना ने यहां गले में हेवी कुंदन वर्क वाला चोकर पहना है जो उनके लुक को कंप्लीट बना रहा है.

नवरात्रि में अगर आप युनीक इंडियन अटायर में नजर आना चाहती हैं तो कंगना का ये लुक ट्राई कर सकती हैं. आप चाहें तो कंगना की तरह ही अपने बालों को कर्ली भी करा सकती हैं.

नवरात्रि में हरा रंग भी आउटफिट के लिए अच्छा रहेगा. आप कंगना रनौत की तरह फॉरेस्ट्र ग्रीन पर गोल्डन वर्क वाला लहंगा ट्राई कर सकती हैं. कंगना ने यहां गले में हेवी कुंदन वर्क वाला चोकर पहना है जो उनके लुक को कंप्लीट बना रहा है.

नवरात्रि में अगर आप युनीक इंडियन अटायर में नजर आना चाहती हैं तो कंगना का ये लुक ट्राई कर सकती हैं. आप चाहें तो कंगना की तरह ही अपने बालों को कर्ली भी करा सकती हैं.

अगर आप नवरात्रि पार्टी अटेंड करने वाली हैं और दोस्तों के साथ डांडिया नाइट जाने का प्लान है तो आप जाह्नवी कपूर के इस ट्रेंडी लहंगे को स्टाइल कर सकती हैं. पीच कलर पर सिक्वेंसिंग वर्क इन दिनों युवाओं में काफी पॉपुलर हो रहा है. इस आउटफिट के साथ आप जिरकॉन स्टोन ज्वेलरी स्टाइल करें और न्यूड मेकअप रखें. वाकई आप हूर सी खूबसूरत दिखेंगी. Image : Instagram/Janhvi Kapoor Official

अगर आप नवरात्रि पार्टी अटेंड करने वाली हैं और दोस्तों के साथ डांडिया नाइट जाने का प्लान है तो आप जाह्नवी कपूर के इस ट्रेंडी लहंगे को स्टाइल कर सकती हैं. पीच कलर पर सिक्वेंसिंग वर्क इन दिनों युवाओं में काफी पॉपुलर हो रहा है. इस आउटफिट के साथ आप जिरकॉन स्टोन ज्वेलरी स्टाइल करें और न्यूड मेकअप रखें. वाकई आप हूर सी खूबसूरत दिखेंगी.

अगर आप ग्लीटरी या ब्राइट कलर की बजाय सोबर और स्टाइलिश इंडियन अटायर चाहती हैं तो अनन्या पांडे का ये क्यूट सा लहंगा लुक आप ट्राई करें. व्हाइट बेस पर पिंक और रेड कलर का बोल्ड डिजाइन आपके लुक को हट कर बनाएगा. आप इस लहंगे को किसी भी तरह के मैचिंग क्रॉप टॉप के साथ स्टाइल कर सकती हैं. अनन्या ने इस लहंगे के साथ उल्टा पल्ला में दुपट्टा कैरी किया है जो लुक को और अच्छा बना रहा है.

अगर आप ग्लीटरी या ब्राइट कलर की बजाय सोबर और स्टाइलिश इंडियन अटायर चाहती हैं तो अनन्या पांडे का ये क्यूट सा लहंगा लुक आप ट्राई करें. व्हाइट बेस पर पिंक और रेड कलर का बोल्ड डिजाइन आपके लुक को हट कर बनाएगा. आप इस लहंगे को किसी भी तरह के मैचिंग क्रॉप टॉप के साथ स्टाइल कर सकती हैं. अनन्या ने इस लहंगे के साथ उल्टा पल्ला में दुपट्टा कैरी किया है जो लुक को और अच्छा बना रहा है. अगर आप नवरात्रि पर जैकेट डिजाइन ब्लाउज ट्राई करें तो ये आपको काफी डिफरेंट लुक देगा.

लूज हो रहा सेल्फ कॉन्फिडेंस? महिलाएं इन 7 टिप्स की लें मदद, दमदार बन जाएगी पर्सनैलिटी

जिंदगी में सफल और कामयाब व्यक्ति बनने के लिए आत्मविश्वास का होना बेहद जरूरी होता है. हालांकि कुछ लोगों में कॉन्फीडेंस का लेवल अक्सर कम रहता है. ऐसे में ड्रेसिंग सेंस पर ध्यान देने से लेकर खुद पर विश्वास रखने और आलोचनाओं को नजरअंदाज करके आप बोल्ड और कॉन्फिडेंट पर्सनैलिटी बनकर उभर सकते हैं.

शानदार पर्सनैलिटी के लिए कॉन्फिडेंस हाई होना बेहद जरूरी होता है. खासकर करियर को बेहतर बनाने में आत्मविश्वास का अहम योगदान होता है. हालांकि कुछ लोगों में अक्सर सेल्फ कॉन्फिडेंस (Self confidence) की कमी देखने को मिलती है. ऐसे में अगर आपका कॉन्फिडेंस भी लूज हो रहा है. तो आप कुछ आसान टिप्स की मदद ले सकते हैं. जिससे आपका आत्मविश्वास मिनटों में बढ़ता दिखाई देने लगेगा.

सेल्फ कॉन्फिडेंस लोगों की पर्सनैलिटी में चार चांद लगाने का काम करता है. ऐसे में आत्मविश्वास को ज्यादातर लोगों का हैप्पीनेस सीक्रेट भी माना जाता है. वहीं कॉन्फिडेंस की कमी होने के कारण लोगों को लाइफ में काफी सफर करना पड़ सकता है. इसलिए हम आपको बताने जा रहे हैं कॉन्फिडेंस बूस्ट करने के कुछ आसान टिप्स, जिसकी मदद से आप खुशमिजाज और बोल्ड पर्सनैलिटी बनकर उभर सकते हैं.

ड्रेसिंग सेंस पर फोकस करें

ड्रेसिंग सेंस आपके लिए कॉन्फिडेंस बूस्टर साबित हो सकता है. ऐसे में अच्छी ड्रेस, मैचिंग फुटवियर और गुड लुक कैरी करके आप अंदर से काफी कॉन्फिडेंट महसूस कर सकते हैं.

कम्युनिकेशन पर ध्यान दें

कॉन्फिडेंट पर्सनैलिटी बनने के लिए आपको कम्युनिकेशन स्किल्स पर भी ध्यान देना चाहिए. ऐसे में अलग-अलग लोगों से बातचीत के दौरान अपने शब्दों और बॉडी लैंग्वेज पर फोकस करें. इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स में सुधार आएगा और आप कॉन्फिडेंट फील करने लगेंगे.

खुद पर विश्वास रखें

खुद पर भरोसा ना होने पर लोग अक्सर कन्फ्यूज और डल महसूस करते हैं. ऐसे में कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए आपको खुद पर भरोसा रखना जरूरी होता है. इसलिए दूसरों की बातों पर गौर करने की बजाए अपने फैसलों का सम्मान करें.

गलतियों से ना डरें

गलतियों के डर से लोग अक्सर कुछ नया करना अवॉइड कर देते हैं. जिससे आपका अत्मविश्वास कम हो सकता है. ऐसे में आलोचनाओं का डट कर सामना करें और हमेशा नया सीखने के प्रति तत्पर रहें. इससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ने लगेगा.

दूसरों से अलग बनें

कई बार दूसरों को कॉपी करने के चक्कर में लोग अपनी यूनीक पर्सनैलिटी से समझौता कर लेते हैं. हालांकि खुद को दूसरों से अलग बनाकर आप कॉन्फिडेंट महसूस कर सकते हैं. इसलिए किसी को कॉपी करने की बजाए अपनी स्किल्स को निखारने पर फोकस करें.

डर से लड़ें

कई बार हार या आलोचनाओं के डर से लोग अपने दिल की नहीं सुनते हैं. जिसके चलते आप अंदर ही अंदर घुट कर रह जाते हैं. इसलिए डर से भागने की बजाए इसका डट कर सामना करें और अपनी बात रखने में बिल्कुल ना हिचकिचाएं. इससे आपका कॉन्फिडेंस आसानी से बूस्ट होने लगेगा.

लोगों की बातों को करें नजरअंदाज

कुछ लोग दूसरों की बातों को अक्सर दिल से लगा लेते हैं. जिससे आप खुद अपनी सफलता में बाधक बन जाते हैं. इसलिए लोगों की बातों को नजरअंदाज करने की कोशिश करें और खुद अपनी गलतियों से सीख लेकर जिंदगी में आगे बढ़ें. इससे आप कॉन्फीडेंट और बोल्ड पर्सनैलिटी बनकर उभरेंगे.

50 के बाद भी रहना है हेल्दी, 4 विटामिन्स को करें डाइट में शामिल, कम दिखने लगेगी उम्र, हमेशा रहेंगी फिट

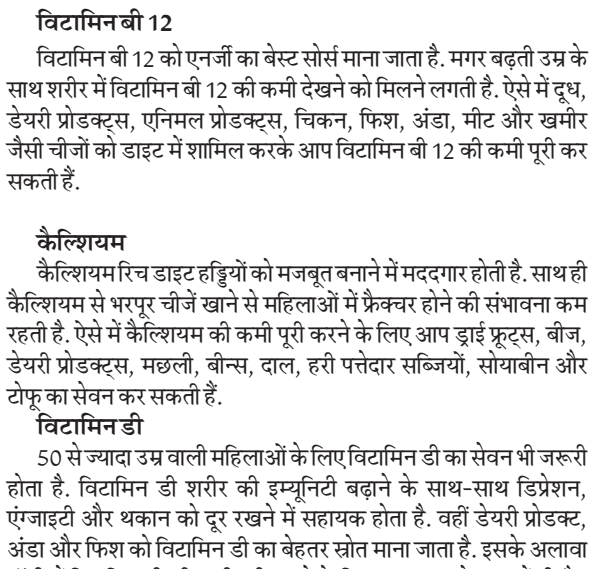

पचास की उम्र के बाद महिलाओं में कमजोरी आने लगती है. ऐसे में महिलाएं अपनी बढ़ती उम्र को कम दिखाने की पूरी कोशिश करती हैं. वहीं, तमाम नुस्खे आजमाने के बाद भी महिलाएं अपनी ऐज को छुपाने में नाकाम हो जाती हैं. अगर आप 50 की हो रही हैं तो कुछ जरूरी विटामिन्स को डाइट (Diet tips) में एड करके आप उम्र के असर को आसानी से हाइड कर सकती हैं.

50 प्लस वुमेंस में विटामिन की कमी होना काफी आम बात है. ऐसे में विटामिन रिच डाइट को अवॉयड करने से ना सिर्फ महिलाएं फिजिकली वीक महसूस करने लगती हैं, बल्कि आपकी उम्र भी ज्यादा दिखती है. मेडिकलन्यूज़टुडे के मुताबिक, हम आपको बताते हैं 5 एसेंशियल विटामिन सप्लीमेंट्स के नाम, जिनका सेवन करके आप 50 के बाद भी खुद को यंग रख सकती हैं.

विटामिन बी 12

विटामिन बी 12 को एनर्जी का बेस्ट सोर्स माना जाता है. मगर बढ़ती उम्र के साथ शरीर में विटामिन बी 12 की कमी देखने को मिलने लगती है. ऐसे में दूध, डेयरी प्रोडक्ट्स, एनिमल प्रोडक्ट्स, चिकन, फिश, अंडा, मीट और खमीर जैसी चीजों को डाइट में शामिल करके आप विटामिन बी 12 की कमी पूरी कर सकती हैं.

कैल्शियम

कैल्शियम रिच डाइट हड्डियों को मजबूत बनाने में मददगार होती है. साथ ही कैल्शियम से भरपूर चीजें खाने से महिलाओं में फ्रैक्चर होने की संभावना कम रहती है. ऐसे में कैल्शियम की कमी पूरी करने के लिए आप ड्राई फ्रूट्स, बीज, डेयरी प्रोडक्ट्स, मछली, बीन्स, दाल, हरी पत्तेदार सब्जियों, सोयाबीन और टोफू का सेवन कर सकती हैं.

विटामिन डी

50 से ज्यादा उम्र वाली महिलाओं के लिए विटामिन डी का सेवन भी जरूरी होता है. विटामिन डी शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ-साथ डिप्रेशन, एंग्जाइटी और थकान को दूर रखने में सहायक होता है. वहीं डेयरी प्रोडक्ट, अंडा और फिश को विटामिन डी का बेहतर स्रोत माना जाता है. इसके अलावा बॉडी में विटामिन डी की कमी पूरी करने के लिए आप कुछ देर धूप में भी बैठ सकती हैं.

विटामिन बी 6

50 के बाद शरीर में विटामिन बी 6 की कमी होने लगती है. ऐसे में फिट और हेल्दी रहने के लिए विटामिन बी 6 से भरपूर आहार लेना जरूरी हो जाता है. वहीं गाजर, पालक, केला, दूध, चिकन और कलोंजी को विटामिन बी 6 का बेस्ट सोर्स माना जाता है.

नारियों का दर्द, महसूस करने की दरकार

क्या हम महिलाओं की समस्याओं, आवश्यकताओं, इच्छाओं, अपेक्षाओं आदि सभी बातों का ध्यान रखते हुए चर्चा करेंगे और समग्रता में सोचेंगे ताकि इस बार भी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सिर्फ एक औपचारिकता मात्र बनकर न रह जाए। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए मीडिया की भूमिका का भी जायजा लेना होगा और खुद हमें सोशल नेटवर्किंग साइट्स के जरिये तथा अन्य सभी साधनों से आवश्यक मुद्दों पर चर्चा करते रहना होगा और चर्चा तब तक हो जब तक समाधान न हो जाए

अभी पिछले हफ्ते 8 मार्च को देश भर में रंगों के पर्व होली की धूम रही। इस वर्ष वृंदावन की होली, बरसाने की होली, और अभी इसी सप्ताह के पहले दिन रंग पंचमी के संदेशों की धूम रही। होली तो हो ली, लेकिन यह एक संयोग ही था कि इस वर्ष होली वाले दिन ही अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस भी था। हर साल की तरह महिला दिवस आया भी और चला भी गया। कार्यक्रम हुए, प्रस्ताव पास हुए, नारे लगे, अखबारों में खबरें छपीं और अब हम सब फिर से अपने-अपने काम में व्यस्त होने के लिए स्वतंत्र हैं। यह एक दुखद सत्य है कि जवानी के जोश में होने वाले प्यार और विवाह ही नहीं, बल्कि दो परिवारों द्वारा देखभाल के बाद होने वाले विवाह भी असफल हो रहे हैं। असफल होने वाले विवाहों में दंपत्ति पढ़े-लिखे भी थे, अच्छे पदों पर थे। सार्वजनिक स्थानों पर, बसों, ट्रेनों में और कार्यालयों में महिलाओं से छेड़छाड़ के मामलों में भी कोई ऐसा सुधार नहीं हुआ जिससे मन में कोई तसल्ली हो। बर्बर बलात्कार का किस्सा हो या प्यार में फंसी महिलाओं की हत्या का मामला हो, समाज में ऐसे कोई बदलाव नहीं हुए हैं कि महिलाएं स्वयं को सुरक्षित महसूस करना शुरू कर दें। महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानून और प्रावधानों से राहत नहीं मिली है। ये कदम नाकाफी साबित हो रहे हैं और लगभग हर रोज ही बलात्कार और हत्याओं के कई और समाचार देखने-सुनने को मिल रहे हैं।

मुद्दा दरअसल, ज्यादा बड़ा है और समस्या की जड़ें ज्यादा गहरी हैं। शायद सरकारी इंतजामों और कानूनी बदलावों के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन, बच्चों की परवरिश के तरीकों में बदलाव और हम सब की सोच में बदलाव कहीं ज्यादा आवश्यक है। सच तो यह है कि कमी ही यही है कि हमारी सोच में बदलाव के ज्यादा लक्षण नजर नहीं आ रहे, यही कारण है कि दिल्ली के जघन्य अपराध से जो शोर मचा वह अभी थमा भी नहीं था कि एक और बलात्कार की खबर आ गई और यह सिलसिला अब तक भी थमा नहीं है। पुरुषों और महिलाओं की समानताओं और विषमताओं की बहस शाश्वत है और यह भविष्य में भी जारी रहेगी। महिला अधिकारों के झंडाबरदारों ने महिला और पुरुष अधिकारों की समानता की मांग उठाकर इसे एक अलग ही रंग दे दिया। भारतीय संसद अभी तक महिला आरक्षण के बारे में अनिश्चित है, भारतीय समाज इस समस्या से अनजान है और भारतीय मीडिया के लिए यह एक फैशनेबल मुद्दा मात्र है। लेकिन चेन्नई की एक ब्लॉगर श्रीमती विदिशा कौशल ने इस संबंध में कई तर्कसंगत सवाल उठाये हैं। उनका कहना है कि जब हम बचपन में ही लडक़ों को 'जानवर' और लड़कियों को 'कोमल गुडिया' मानने लगते हैं तो भेदभाव वहीं से आरंभ हो जाता है। जब मांएं खेल के मैदान में छोटे बच्चों को पेड़ों की जड़ों में पेशाब करने देती हैं जबकि लड़कियों को बाकायदा शौचालय ले जाया जाता है, जब लड़कियों को धीमी आवाज में बात करने और बाकी बहन-भाइयों का ख्याल रखने की सीख दी जाती है लेकिन लडक़ों को इस ज़िम्मेदारी से छूट दी जाती है, और यह कह कर संतोष कर लिया जाता है कि 'लडक़े तो होते ही ऐसे हैं', और लड़कियों को सिखाया जाता है कि वे लडक़ों की बराबरी नहीं कर सकतीं, तो भेदभाव बढ़ता चला जाता है। श्रीमती कौशल कहती हैं कि रोने पर लडक़ों का मजाक उड़ाते हुए कहा जाता है 'क्या लड़कियों की तरह रो रहे हो', समाज के किसी भी आय वर्ग में अक्सर लडक़ों को घर की सफाई करने, खाना बनाने आदि की सीख नहीं दी जाती, लड़कियों को पैसे कमाने और संभालने की सीख नहीं दी जाती।

अक्सर शादी के बाद भी महिलाएं जीवन बीमा, म्युचुअल फंड, बचत और निवेश के मामले में पति पर ही निर्भर रहती हैं। पुरुष प्रधान समाज में हालात ऐसे हैं कि यदि लड़कियों के साथ छोटी-मोटी छेडख़ानी हो तो वे उसकी उपेक्षा करने में ही अपनी भलाई समझती हैं, यहां तक कि वे अपने घर में भी कई बार ऐसी बातों की खुलकर शिकायत नहीं कर पातीं। महिलाओं पर अत्याचारों की बात छोड़ भी दें तो भी पुरुष समाज महिलाओं की विशिष्ट आवश्यकताओं से वाकिफ नहीं जान पड़ता। महिला अधिकारों के झंडाबरदारों ने महिला अधिकारों पर मीडिया का ध्यान आकर्षित करने में काफी सफलता प्राप्त की है। महिलाओं ने भी लगभग हर क्षेत्र में अपना सिक्का मनवाने में सफलता प्राप्त की है। इस सब के बावजूद महिलाओं की विशिष्ट आवश्यकताओं तथा मनःस्थितियों (फेमिनाइन नीड्स एंड मूड्स) के बारे में कोई सार्थक चर्चा देखने को नहीं मिलती। क्या यह आश्चर्यजनक नहीं कि सार्वजनिक स्थानों पर टायलेट की समस्या, माहवारी और गर्भावस्था के दौरान महिलाओं की देखभाल आदि के बारे में ज्यादातर पुरुष लगभग सारी उम्र पूर्णतः अनजान रहते हैं। जिन घरों में मां नहीं है, वहां बहनें या पुत्रियां अपने भाइयों और पिता को अपनी समस्या बता ही नहीं पातीं और अनावश्यक बीमारियों का शिकार बन जाती हैं। इसमें पुरुषों का दोष इसलिए नहीं है क्योंकि भारतीय समाज में पुरुषों को स्त्रैण आवश्यकताओं के बारे में शिक्षित ही नहीं किया जाता। महिलाओं के शोषण की कहानी सचमुच अजीब है। पुरुष प्रधान समाज में अकेली महिलाओं की स्थिति अक्सर शोचनीय होती है और उन पर कई और नए बंधन लाद दिये जाते हैं।

विधवा महिलाएं ससुराल में शेष सदस्यों के अधीन हो जाती हैं, परित्यक्ताएं और तलाकशुदा महिलाएं तो कई बार अपने मायके में भी दूसरे दर्जे की नागरिक बनकर रह जाती हैं। घर में सारा दिन काम करते रहने पर भी उन्हें कोई वेतन नहीं मिलता, स्वतंत्रता नहीं मिलती और अपेक्षित सम्मान नहीं मिलता। विधवाओं की कठिनाइयों के बारे में तो फिर गाहे-बगाहे बात होती रहती है लेकिन परित्यक्ताओं, तलाकशुदा एकल महिलाओं, किसी भी विवशतावश अविवाहित रह गई महिलओं की समस्याओं के बारे में हम शायद ज्यादा जागरूक नहीं हैं।

सुश्री नलिनी राजन द्वारा संपादित पुस्तक 'ट्वेंटी फस्ट सेंचुरी जर्नलिज्म इन इंडिया' में अपने लेख 'दि जेंडर फैक्टर' में उन्होंने बताया है कि सन् 2005 के सुनामी के कहर के कारण शरणार्थी कैंपों में महिलाओं की विशिष्ट आवश्यकताओं की ओर ध्यान न दिये जाने के कारण (महिलाओं के आंतरिक परिधान, सैनिटरी नैपकिन, खुले पानी की सुविधा वाले महिला टायलेट, माहवारी आदि के समय प्राइवेसी की आवश्यकता आदि) महिलाओं को अतिरिक्त परेशानियों का शिकार होना पड़ा क्योंकि शरणार्थी शिविरों का प्रबंध देखने वाले अधिकारी मूलतः पुरुष थे। हमें तय करना होगा कि हम अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर खुद से क्या चाहते हैं? क्या हम महिलाओं की समस्याओं, आवश्यकताओं, इच्छाओं, अपेक्षाओं आदि सभी बातों का ध्यान रखते हुए चर्चा करेंगे और समग्रता में सोचेंगे ताकि इस बार भी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सिर्फ एक औपचारिकता मात्र बनकर न रह जाए। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए मीडिया की भूमिका का भी जायजा लेना होगा और खुद हमें सोशल नेटवर्किंग साइट्स के जरिये तथा अन्य सभी साधनों से आवश्यक मुद्दों पर चर्चा करते रहना होगा और यह ध्यान रखना होगा कि यह चर्चा तब तक होती रहे जब तक महिलाओं से संबंधित महत्त्वपूर्ण समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता।

पी. के. खुराना

कोरोना के डराने वाले आंकड़े: 21 हजार से ज्यादा एक्टिव केस इन दस राज्यों में सबसे तेज फैला संक्रमण, जानें

पिछले 24 घंटे के अंदर कोरोना संक्रमण के चलते नौ लोगों की मौत हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इनमें पंजाब, दिल्ली और केरल में दो-दो लोगों ने जान गंवाई। जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र और उत्तराखंड में एक-एक संक्रमित की मौत हो गई।

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों में एक बार फिर तेजी देखने को मिली है। ये आंकड़े डराने वाले हैं। लगातार तीसरे दिन 24 घंटे के अंदर तीन हजार से ज्यादा संक्रमित मिले हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो सोमवार को कुल एक लाख 64 हजार 740 लोगों की जांच हुई। इनमें 3,038 लोग संक्रमित पाए गए हैं। इसी के साथ देश में सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 21 हजार से अधिक हो गई। मतलब अब देश में 21,179 मरीज ऐसे हैं, जिनका इलाज चल रहा है। ये या तो अस्पताल में भर्ती हैं या फिर घर पर रहकर अपना इलाज करा रहे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने ये आंकड़े मंगलवार को जारी किए हैं।

इन दस राज्यों में सबसे ज्यादा सक्रिय मरीज

राज्य	कुल केस	सक्रिय मामले
केरल	68,39,529	6,229
महाराष्ट्र	81,45,590	3,532
गुजरात	12,83,106	2,214
दिल्ली	20,11,034	1,406
हिमाचल प्रदेश	3,15,025	1,379
कर्नाटक	40,78,095	1,372
तमिलनाडु	35,97,304	993
हरियाणा	10,58,159	785
गोवा	2,60,234	713
उत्तर प्रदेश	21,29,217	543

(आंकड़े केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी किए गए हैं।)

24 घंटे में सात लोगों ने गंवाई जान

पिछले 24 घंटे के अंदर कोरोना संक्रमण के चलते नौ लोगों की मौत हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इनमें पंजाब, दिल्ली और केरल में दो-दो लोगों की मौत हुई। इसके अलावा जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र और उत्तराखंड में एक-एक संक्रमित की जान चली गई। इसी के साथ संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच लाख 30 हजार 901 हो गई है।

हफ्ते भर में 19 हजार से ज्यादा मरीज बढ़ गए

तारीख	नए मरीज
03 अप्रैल	3,038
02 अप्रैल	3,641
01 अप्रैल	3,824
31 मार्च	2,994
30 मार्च	3,095
29 मार्च	3,016

नोट : आंकड़े केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से लिए गए हैं।

कोरोना से जुड़े अन्य आंकड़े

देश में अब तक चार करोड़ 47 लाख 29 हजार 284 लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। अब तक संक्रमित हुए लोगों में 0.05 प्रतिशत मरीज ऐसे हैं, जिनका इलाज चल रहा है। इसे सक्रिय मरीज कहते हैं।

98.76 प्रतिशत मरीज ठीक हो चुके हैं। संक्रमण से 1.19 प्रतिशत मरीजों की मौत हुई।

डराने लगा कोरोना: दिल्ली में कोविड से दो मरीजों की मौत, सामने आए 293 नए मामले

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केस बढ़ कर 1406 हो गए हैं। इनमें से होम आइसोलेशन में 1022 और अस्पतालों में 91 मरीज भर्ती हैं। दो मरीजों ने कोरोना के कारण मौत हो गई है। दिल्ली में कोरोना के मामले बढ़ने के साथ मौत के आंकड़े भी बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, सोमवार को कोरोना के 293 मामले सामने आए। वहीं स्वस्थ होने पर 280 मरीजों को छुट्टी दी गई। जबकि दो मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केस बढ़ कर 1406 हो गए हैं। इनमें से होम आइसोलेशन में 1022 और अस्पतालों में 91 मरीज भर्ती हैं। इनमें से 9 वेंटीलेटर पर, 51 आईसीयू पर और 26 ऑक्सीजन सपोर्ट पर भर्ती हैं। रविवार को 1581 मरीजों की जांच हुई जिसमें 18.53 फीसदी मरीज संक्रमित पाए गए।

न मानें इंस्टा के डॉक्टर की सलाह, कर देंगे आपकी स्किन खराब; त्वचा निखारने के बताते हैं गलत तरीके

इंस्टग्राम यूजर के संबंध में दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए) ने बात की गई है। डीएमए अध्यक्ष ने आश्वासन दिया है कि इस दिशा में जल्द ही सरकार से बात कर उचित कदम उठाया जाएगा।

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर ज्यादा लाइक के चक्कर में त्वचा के उपचार के लिए तरह-तरह की दवाओं का प्रयोग करने की सलाह दे रहे इंस्टाग्राम यूजर लोगों की स्किन खराब कर रहे हैं। स्थिति ज्यादा बिगड़ने पर मरीज जब त्वचा रोग विशेषज्ञ के पास पहुंचते हैं तो उपचार करना भी मुश्किल हो जाता है। डॉक्टरों का कहना है कि ऐसे लोगों को त्वचा विज्ञान के बारे में कोई जानकारी नहीं है, बावजूद इसके वह लोगों को त्वचा निखारने गलत तरीके बता देते हैं।

यंग डर्मेटोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के पदाधिकारी व डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के पूर्व त्वचा विशेषज्ञ डॉ. मनीष जांगड़ा ने बताया कि इन दिनों इंस्टाग्राम पर काफी लोग आ गए हैं, जो त्वचा रोग के उपचार पर अधकचरा ज्ञान दे रहे हैं। स्किन को जल्द सुंदर बनाने के लिए ये लोग स्टेरॉयड युक्त दवाओं की सलाह दे रहे हैं जो स्किन को खराब कर देती है।

हमारे पास बहुत से ऐसे मरीज आ रहे हैं, जिन्होंने इंस्टाग्राम पर खुद को डॉक्टर बताकर जानकारी देने वालों के हिसाब से उपचार किया और रोग को गंभीर कर लिया। ऐसे इंस्टग्राम यूजर के संबंध में दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए) ने बात की गई है। डीएमए अध्यक्ष ने आश्वासन दिया है कि इस दिशा में जल्द ही सरकार से बात कर उचित कदम उठाया जाएगा।

सोशल मीडिया पर भी चलाएंगे अभियान

डॉ. जांगड़ा ने कहा कि त्वचा रोग से जुड़े लोग गलत प्रचार कर रहे लोगों के खिलाफ जल्द ही सोशल मीडिया के माध्यम से अभियान चलाएंगे। क्योंकि गलत जानकारी से होने वाले नुकसान को रोकना जरूरी है। इससे डॉक्टरों की समस्या भी बढ़ रही है।

विकासपुरी में बनेगा वर्ल्ड क्लास कल्चरल सेंटर, इन अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा

नई दिल्ली। दिल्ली के विकासपुरी में वर्ल्ड क्लास कल्चरल सेंटर बनेगा। शानदार ऑडिटोरियम, आर्ट गैलरी, लाइब्रेरी सहित तमाम अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। सोमवार को कला, संस्कृति व भाषा मंत्री आतिशी ने साहित्य कला परिषद के अधिकारियों के साथ इस सेंटर को लेकर बैठक की।

कला-संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विकासपुरी में एक वर्ल्ड-क्लास कल्चरल सेंटर बनाया जाएगा। इसमें देशभर के कलाकारों के लिए शानदार ऑडिटोरियम, आर्ट गैलरी, लाइब्रेरी, कांफ्रेंस रूम, ट्रेनिंग हॉल, गेस्ट रूम सहित तमाम अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी। सेंटर को 1.09 एकड़ क्षेत्रफल में बनाया जाएगा।

दिल्ली सरकार अपने साहित्य कला परिषद के लिए यह कल्चरल सेंटर बनाने जा रही है। सोमवार को कला, संस्कृति व भाषा मंत्री आतिशी ने साहित्य कला परिषद के अधिकारियों के साथ इस सेंटर को लेकर बैठक की। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार की इस परियोजना का उद्देश्य कलाकारों को मंच प्रदान करते हुए भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना है।

ये कल्चरल सेंटर राजधानी में कला और संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। दिल्ली सरकार कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में यह अत्याधुनिक कल्चरल सेंटर बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। कल्चरल सेंटर को विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों जैसे कि संगीत समारोह, नृत्य प्रदर्शन, थिएटर नाटकों, कला प्रदर्शनियों और कार्यशालाओं के लिए एक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। यह सुविधा उभरते कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने और देश भर के स्थापित कलाकारों को साथ लाने के लिए एक मंच प्रदान करेगी।

केंद्र की ये होंगी विशेषताएं

-260 सीट क्षमता का ऑडिटोरियम-मल्टीपर्पज हॉल
-कॉन्फ्रेंस रूम
-गेस्ट रूम
-एकेडमिक ऑफिस
-रिहर्सल और ट्रेनिंग हॉल
-आर्ट गैलरी
-लाइब्रेरी

'डिग्री बहाना है, केजरीवाल को भ्रष्टाचार से ध्यान हटाना है', पीएम की डिग्री के सवाल पर BJP का जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली में इन दिनों भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी के बीच में पोस्टर वार चल रहा है। सबसे पहले आप ने मोदी हटाओ देश बचाओ का पोस्टर लगाया इसके बाद एक-एक कर दोनों पार्टियां कई पोस्टर लगा चुकी हैं।

आम आदमी पार्टी द्वारा लगातार उठाए जा रहे पीएम मोदी की डिग्री के सवाल पर भारतीय जनता पार्टी ने आज अपने कार्यालय के बाहर पोस्टर चिपकाकर इसका जवाब दिया है और साथ ही मुख्यमंत्री पर निशाना भी साधा है। भारतीय जनता पार्टी ने अपने दिल्ली कार्यालय के बाहर एक पोस्टर लगाकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। इस पोस्टर में लिखा है, डिग्री तो बहाना है केजरीवाल को भ्रष्टाचार से ध्यान हटाना है।

दिल्ली मेट्रो ने इस तरह के बर्ताव को अपराध बताते हुए कहा कि मेट्रो के संचालन और रखरखाव अधिनियम की धारा 59 के तहत अभद्रता की श्रेणी में आता है।

मेट्रो में मचा है ये कैसा बवाल: इन चार वीडियो पर खूब हो रही चर्चा, एक तो उठा रहा सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

नई दिल्ली। बीते कुछ दिनों से दिल्ली मेट्रो में कई ऐसे वीडियो सामने आए हैं जो इन दिनों सुर्खियां बटौर रही हैं। तेजी से वायरल हो रहे इन वीडियो पर दिल्ली मेट्रो को भी बयान जारी करना पड़ा। डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक (जनसंपर्क) अनुज दयाल ने कहा कि हम मेट्रो यात्रियों से शालीनता और सभी नियमों के पालन की उम्मीद करते हैं। दिल्ली मेट्रो ने इस तरह के बर्ताव को अपराध बताते हुए कहा कि मेट्रो के संचालन और रखरखाव अधिनियम की धारा 59 के तहत अभद्रता की श्रेणी में आता है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं चार ऐसे वायरल वीडियो के बारे में जो मेट्रो नियमों की धज्जियां उठाती नजर आ रही हैं...

सबसे पहले बात करते हैं उस लड़की के बारे में जो इन दिनों ब्रालेट और शॉर्ट स्कर्ट पहनकर मेट्रो में यात्रा करती दिख रही है। इसका नाम रिदम छनाना (19 वर्ष) है। इसके कई वीडियो मेट्रो में यात्रा करते हुए वायरल हो रहे हैं। एक मीडिया संस्थान से बातचीत में युवती ने कहा कि वह जो चाहेगी वो करेगी। उसे इसकी आजादी है।

दूसरे वीडियो को दिल्ली भाजपा नेता तजिंदर सिंह बग्गा ने ट्विटर पर शेयर किया था। इसके बाद ये तेजी से वायरल हुआ। वीडियो में मेट्रो के अंदर दो महिलाएं आपस में बहस करती नजर आ रही हैं। बात इतनी बढ़ जाती है कि एक महिला तो दूसरी पर पेपर स्प्रे से हमला कर देती है। इसके बाद कोच में मौजूद अन्य लोग खांसने लगते हैं।

तीसरा वीडियो तो सीधे-सीधे मेट्रो की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता हुआ भी नजर आता है। दरअसल कुछ लोग स्टेशन आने से पहले मेट्रो के दरवाजे पर अंदर की ओर से रिबन बांध देते हैं और आने वाले यात्री को कैंची देकर रिबन काट प्रवेश करने को कहते हुए नजर आ रहा हैं। बता दें कि मेट्रो में कैंची लेकर यात्रा करना प्रतिबंधित है तो फिर ये कैंची लेकर कैसे प्रवेश करने में कामयाब रहे।

चौथा वीडियो एक कपल के बीच हुई लड़ाई का है। यह वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हुआ। इसमें एक कपल किसी बात को लेकर आपस में बहस करता हुआ नजर आता है। बात इतनी बढ़ जाती है कि एक दूसरे को थप्पड़ तक मार देते हैं। हालांकि स्टेशन आने के बाद दोनों एक साथ मेट्रो से बाहर निकल जाते हैं।

कहीं भारी न पड़ जाए ये लापरवाही

गाजियाबाद में 25.88 लाख को नहीं लगी है बूस्टर डोज

परिवहन विशेष न्यूज

टीका नहीं होने से छह फरवरी से जिले में टीकाकरण पूरी तरह से बंद है। प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. नीरज अग्रवाल ने बताया कि टीके की कुल 7681255 डोज लगी है।

नई दिल्ली। एक महीने में 157 कोरोना संक्रमित मिल चुके हैं, लेकिन जिले में अभी कोरोना से बचाव का टीकाकरण शुरू नहीं हुआ है। जिले में 39632 लोगों ने दूसरा डोज भी नहीं लगवाया है। बूस्टर लगवाने का 2588692 लोगों का समय पूरा हो चुका है। इसके बावजूद टीका नहीं लग रहा है। जिले में टीका नहीं होने से सभी 54 स्थाई टीकाकरण केंद्र बंद हो चुके हैं।

टीकाकरण शुरू करने के लिए न तो शासन स्तर से कोई गाइडलाइन आई और न ही स्वास्थ्य विभाग ने टीके की मांग की है। टीका नहीं होने से छह फरवरी से जिले में टीकाकरण पूरी तरह से बंद है। प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. नीरज अग्रवाल ने बताया कि टीके की कुल 7681255 डोज लगी है। इसमें से पहला डोज लगवाने वाले 3439923 लोग हैं, जबकि दूसरा डोज 3400291 लोगों ने लगवाया है। इनमें से 841223 लोगों ने बूस्टर डोज लगवाया है। सीएमओ डॉ. भवतोष शंखधार का कहना है कि अभी टीकाकरण के लिए कोई सूचना नहीं है। सीमएओ का कहना है कि जो संक्रमित मिल रहे हैं, उनके संपर्क में आने वाले 15 से 17 लोगों की जांच की जा रही है। टीका आने के बाद शुरू करा दिया जाएगा।

चार माह से बेटे ने नहीं ली खबर, घर में मिला बुजुर्ग मां का सड़ा हुआ शव, अकेली रहती थी सेवानिवृत्त डॉक्टर

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में बेटे और पति से अलग रह रही सेवानिवृत डाक्टर का घर में सड़ा हुआ शव मिला है। सेवानिवृत्त महिला डॉक्टर बेटे और पति से अलग रहती थीं। 20 दिन पहले मौत की आशंका जताई जा रही है। फोन नहीं लगने पर बीटा-1 पहुंचे गाजियाबाद निवासी बेटे-बहू तब हुई मौत की जानकारी

ग्रेटर नोएडा में बेटे और पति से अलग रही सेवानिवृत्त डॉक्टर अमिया कुमारी सिन्हा (70) का शव सड़ी गली हालत में उनके घर से बरामद हुआ। करीब चार माह से उनकी बात गाजियाबाद निवासी बेटे और बहू से नहीं हुई थी। फोन नहीं लगने पर रविवार रात बेटे और बहू बीटा-1 स्थित घर पहुंचे थे। घर में शव देखने के बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने लगभग 20 दिन पहले मौत की आशंका जताई है। वहीं, फोरेंसिक टीम ने भी मौका मुआयना कर जांच की है। करीब तीन दशक पहले महिला के पति से संबंध विच्छेद हो गए थे। बीटा-2 थाना प्रभारी विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि अमिया कुमारी सिन्हा बिहार के स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टर थीं।

उन्होंने बीटा-1 सेक्टर में घर बनाया था। बेटा प्रणव रंजन सिन्हा गाजियाबाद के वैशाली में रहता है। प्रणव और उसकी पत्नी गाजियाबाद में ही नौकरी करते हैं। प्रणव ने पुलिस को बताया कि वह कई दिनों से मां के मोबाइल पर कॉल कर रहा था। कई बार कॉल की तो फोन नहीं उठा था।

उसने बताया कि मां अकसर नाराज होकर फोन उठाना बंदकर देती थी। मगर कई दिन से फोन नहीं लगने पर वह पत्नी और सास को लेकर रविवार रात बीटा-1 स्थित मां के घर पहुंचे। दरवाजा खटखटाने पर नहीं खुला। दरवाजा तोड़कर देखा तो अंदर मां का शव पड़ा हुआ था।

इनसाइड

प्लाट से कब्जा छोडने के एवज में मांगे 50 लाख

गाजियाबाद। क्रासिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में अबरपुर बहरामपुर स्थित एक प्लाट पर कब्जा कर आरोपियों ने ने 50 लाख रुपये की मांग की। पीड़ित ने तीनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। लार्डस अपार्टमेंट द्वारका दिल्ली निवासी प्रवीण सारस्वत के अकबरपुर बहरामपुर में दो प्लाट है। उन्होंने दोनों प्लाट के इकरारनामे रामे सिंह निवासी संजय नगर, विपिन त्यागी, जितेंद्र त्यागी निवासी इंद्रापुरम और पीयूष सिंघल निवासी खानपुर के नाम किए थे। आरोप है कि 30 मार्च को वह प्लाट में मरम्मत कराने गए। जहां अनिल यादव उर्फ टीटू, हरपाल यादव, सचिन गर्ग ने काम रूकवा दिया। साथ ही पुराने निर्माण को भी ध्वस्त कर दिया। वह आरोपियों की शिकायत करने थाने पहुंचे। अनिल यादव और हरपाल सिंह थाने में मौजूद थे। उन्होंने प्लाट पर काम करने से पहले 50 लाख रुपये की मांग की। मांग पूरी न होने पर जाने से मारने की धमकी दी। एसीपी वेव सिटी रवि प्रकाश सिंह का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है।

आईएमईआई नंबर बदलकर बेच देते थे लूट का मोबाइल

गाजियाबाद। सिहानी गेट थाना पुलिस ने लोहियानगर मार्केट से चार लुटेरों को गिरफ्तार किया है। लुटेरे लूटे गए मोबाइल का लॉक तोड़ने के बाद आईएमईआई नंबर बदलकर उन्हें बेचा करते थे। लुटेरों ने यूट्यूब से लॉक तोड़ना व आईएमईआई बदलना सीखा था।

एसीपी नंदग्राम रवि सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने लोहिया नगर मार्केट में दो संदिग्धों को रोककर उनकी तलाशी ली। उनके कब्जे से एक तमंचा और एक चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम निशांत निवासी इंद्रापुरी लोनी और गौरव निवासी लक्ष्मी गार्डन लोनी बताए। सख्ती से पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि वह लूट की वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़े थे। वह जिले के विभिन्न थानों में लूट की वारदात को अंजाम दे चुके हैं।

उन्होंने बताया कि लूटे गए मोबाइल को मोहम्मद समीर निवासी सफीपुर कस्बा बुढाना जिला मुजफ्फरनगर को दे दिया करते थे। वह मोबाइल के लॉक तोड़कर आईएमईआई नंबर बदल देता था। इसके बाद मोबाइल को किशन बाजार में बेच देता था।

10वीं पास होने के बाद खोली दुकान

मोहम्मद समीर ने पुलिस को बताया कि 10वीं कक्षा पास करने के बाद उसने मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान खोल ली थी। निशांत और गौरव मोबाइल लूट की वारदात को अंजाम देते थे। वह लूटे हुए मोबाइल उसे दे दिया करते थे। वह दुकान पर उन्हें बेच देता था। मोबाइल लूट केआरोप में निशांत और गौरव वर्ष 2021 में लोनी बार्डर थाने से जेल गए। जिसके बाद उसने यूट्यूब से मोबाइल का लॉक तोड़ना व आईएमईआई बदलना सीखा।

यह हुआ बरामद

लुटेरों के कब्जे से पुलिस ने लूटे गए 12 मोबाइल, एक बाइक, आईएमईआई नंबर बदलने के तीन डिवाइस, मोबाइल अनलॉक करने का एप्लीकेशन डाउनलोड हुआ कंप्यूटर, एक तमंचा, एक चाकू और साढ़े छह हजार रुपये बरामद किए।

वाहन टकराने के दौरान चालक के उतरते ही चोर ले उड़े मोबाइल

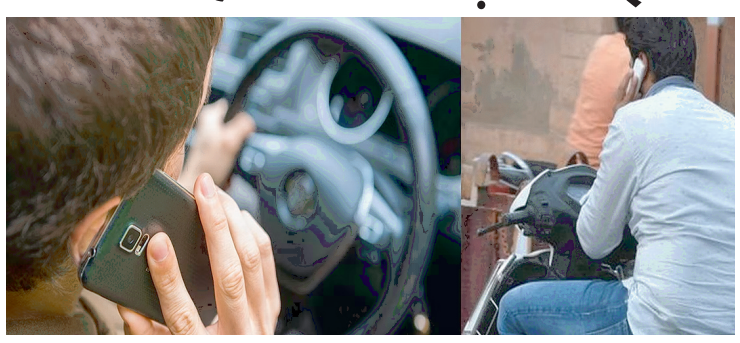

इंदिरापुरम। कनावनी चौकी के पास दिव्यांश प्रथम सोसायटी से पहले निहो स्कॉटिश सोसायटी निवासी अजीब सिंह की गाड़ी में चार पहिया वाहन (छोटे हाथी) से टकरा गई। गाड़ी चेक करने के दौरान चोरों ने डैशबोर्ड से उनके दो फोन चोरी कर लिए। उन्होंने बताया कि वह किसी काम को करने के बाद घर लौट रहे थे। कनावनी चौकी से आगे दिव्यांश प्रथम सोसायटी के पास पहुंचे तो बराबर से छोटे हाथी नाम की गाड़ी ने टक्कर मार दी। इसके बाद वह सड़क किनारे अपनी गाड़ी खड़ी कर उसे चेक करने लगे। आरोप है कि इस बीच चोरों ने उनके दो फोन चोरी कर लिए। उन्होंने तुरंत एक राहगीर की मदद से अपने फोन पर कॉल तो तो चोरों ने फोन बंद कर दिया। इसके बाद उन्होंने इंदिरापुरम कोतवाली पुलिस को चोरी की मुकदमा दर्ज कराया है। इंदिरापुरम कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवपाल सिंह पुंडीर का कहना है कि चोरों की तलाश कर रहे हैं।

बिग बास्केट, बिग बाजार और DMart की फर्जी वेबसाइट बनाकर ठगने वाले गिरोह का पर्दाफाश; छह गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा पुलिस ने बिग बास्केट, बिग बाजार और DMart की फर्जी वेबसाइट बनाकर ठगने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। ग्रेनो वेस्ट से पुलिस की टीम ने छह शातिरों को दबोचा है। जबकि दो शातिर फरार हो गए। फेसबुक और सोशल मीडिया पर ऐड देकर लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे।

नोएडा। गौतम बुद्ध नगर की साइबर सेल हेल्पलाइन टीम ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है जो बिग बास्केट बिग बाजार और D-Mart की फर्जी वेबसाइट बनाकर लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे। गिरोह फर्जी वेबसाइट का ऐड फेसबुक आदि सोशल मीडिया पर देकर लोगों की निजी जानकारी हासिल कर लेता था। इसके बाद उनके खाते से रुपये निकाल लेता था।

पुलिस टीम ने आई10 कार में सवार गिरोह के छह शातिरों को ग्रेटर नोएडा वेस्ट से गिरफ्तार किया है, जबकि उनके दो साथी अभी फरार हैं। पुलिस के मुताबिक, साइबर हेल्पलाइन टीम को सूचना मिली थी कि इलाके में एक ऐसा गिरोह सक्रिय है जो नामी शॉपिंग कंपनियों के नाम से वेबसाइट बनाकर लोगों को लगातार ठगी का शिकार बना रहा है।

पुलिस ने आई10 कार में सवार गिरोह के गौर सिटी सेंटर मॉल के सामने सर्विस रोड पर बैठे होने की सूचना पर घेराबंदी की। पुलिस ने छह आरोपियों को दबोच लिया है। आरोपियों ने बताया कि वह नामी शॉपिंग कंपनियों के फर्जी वेबसाइट बनाकर ऐड देते हैं। जब ग्राहक उनसे संपर्क करता है तो ऑनलाइन खरीदारी करता है। वह उसके क्रेडिट या डेबिट कार्ड आदि की निजी जानकारी हासिल कर लेते हैं। इसके बाद उनके खाते से पैसा निकाल लेते हैं।

20 हजार में खरीदते हैं बैंक अकाउंट

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वह 20 हजार रुपये में किसी भी व्यक्ति से बैंक अकाउंट खरीदते हैं। इनका इस्तेमाल रकम ट्रांसफर करने के लिए किया जाता है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लैपटॉप, i10 कार, नगदी और मोबाइल भी बरामद किए हैं।

सस्ती कीमत देख जाल में फंस जाते हैं लोग

आरोपी ने बताया कि वह ग्रोसरी आदि घर की जरूरतों का सामान अपनी फर्जी वेबसाइट में बाजार से काफी कम कीमत और डिस्काउंट में बिक्री करने का झांसा देते हैं जिससे लोग उनके जाल में फंस जाते हैं। पीड़ित जब ऑनलाइन शॉपिंग करता है तो वह उनके खाते की निजी जानकारी अपनी फर्जी वेबसाइट से हासिल कर ठगी करते हैं।

इनकी हुई गिरफ्तारी

पुलिस ने गाजियाबाद के ऐसोटेक सोसाइटी निवासी विनीत कुमार, ध्रुव सोलंकी, श्याम एंक्लेव निवासी गौरव तालान, बादलपुर छपरौला निवासी सलमान, संतोष मौर्य, आशुतोष मौर्य को गिरफ्तार किया है। जबकि तुषार और शाहरुख नाम के आरोपी फरार हैं।

सीपीएस एकेडमी लोनी ने एसआरसीए को एक विकेट से दी शिकस्त

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन स्थित जीएमएस मैदान में चल रहे गाजियाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के नौवें अजय वालिया अंडर-16 क्रिकेट लीग में सोमवार को हुए मुकाबले में सीपीएस एकेडमी लोनी ने एसआरसीए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को एक विकेट से हरा दिया। सीपीएस लोनी की ओर से चार विकेट लेने वाले वरुण चौहान मैन ऑफ द मैच बने।

पहले बल्लेबाजी करते हुए एसआरसीए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की टीम 29.2 ओवर में केवल 82 रन पर ऑलआउट हो गई। बल्लेबाज अस्मित बालियान ने सर्वाधिक 18 रन, प्रिंस नेगी ने 14 रन, पार्थ ने 12 रन और सक्षम ने 11 रन बनाए। सीपीएस एकेडमी के गेंदबाज व कप्तान वरुण चौहान ने चार, लक्ष्य व विराम सिंह ने दो-दो, जबकि संस्कार और अमन जैन ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीपीएस एकेडमी को शुरुआत में कई झटके लगे। उसके छह बल्लेबाज 56 रन पर पवेलियन लौट गए। बल्लेबाज शिवम यादव ने सर्वाधिक 28 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने में मदद की। टीम ने 23.5 ओवर में नौ विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। एसआरसीए के कप्तान व गेंदबाज सुमित सिंह ने पांच और विनीत ने दो विकेट लिए।

अस्पताल में भर्ती युवक की मौत पर परिजनों ने किया हंगामा, पथरी का हुआ था ऑपरेशन

गाजियाबाद। युवक शालीमार गार्डन के एक निजी अस्पताल में दो दिन पहले पथरी का ऑपरेशन कराने भर्ती हुआ था। गाजियाबाद के साहिबाबाद स्थित शालीमार गार्डन के 80 फूटा रोड स्थित निजी अस्पताल (स्पर्स अस्पताल) में दो दिन पहले पथरी का ऑपरेशन कराने के लिए भर्ती हुए 26 वर्षीय रोहित निवासी पप्पू कॉलोनी की मंगलवार तड़के मौत हो गई। परिजनों ने चिकित्सक पर गलत ऑपरेशन करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। परिजन और लोगों ने अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच करने में जुटी है।

2023 Kia Sonet, Seltos और Carens को किया गया अपडेट, कीमत भी बदली

Kia ने अपनी कारों के लाइनअप में BS6 Phase2 compliant के हिसाब से बदलाव कर दिया है। इसके पॉवरट्रेन में हुए बदलाव के साथ कीमतें भी बदल गई हैं साथ ही कंपनी ने अपनी कारों के इंजन को E20 ईंधन के अनुकूल बनाया है।

नई दिल्ली। कोरियन कार निर्माता कंपनी Kia ने अपनी दो SUV और एक MPV कार को नए BS6 फेज-2 नियमों के साथ पेश कर दिया है। इनके इंजन को E20 ईंधन के अनुकूल बनाया गया है। साथ ही कंपनी ने 2023 Kia Seltos,Sonet और Carens की कीमतों में भी बदलाव किया है। ये बदलाव नए पॉवरट्रेन के आने की वजह से हुए हैं। हम आपको इन तीनों कारों के नए इंजन और कीमतों बारे में बताने जा रहे हैं।

2023 Kia Seltos, Sonet और Carens का नया इंजन

कंपनी ने अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी kia Sonet में 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन को बरकरार रखा है। साथ ही इसके 1.5 लीटर सीआरडीआई डब्ल्यूजीटी डीजल इंजन को 1.5 लीटर सीआरडीआई वीजीटी के साथ बदल दिया गया है। अब ये इंजन पिछले वाले की अपेक्षा 16 पीएस अधिक पॉवर देता है। वहीं करेंस और सेल्टॉस को नया 1.5 लीटर वाला इंजन दिया गया है।

टाटा मोटर्स की गाड़ियों के पहले से कितनी बढ़ी माइलेज?

ये शक्तिशाली इंजन 160 पीएस की अधिकतम पावर और 253 एनएम का पीक टॉर्क प्रदान करेगा। सेल्टोस और कैरेंस में आने वाला समान पावरट्रेन का पॉवर आउटपुट 1 पीएस से बढ़कर 116 पीएस हो गया है। आपको बता दें कि नए इंजन के साथ इन पूरी रेंज में आईएसजी (आइडल स्टॉप गो) फीचर को स्टैण्डर्ड रूप में दिया गया है।

ये हैं नई कीमतें

नए पॉवरट्रेन के साथ कंपनी ने इन तीनों कार की कीमत भी बदल दी हैं। अब 2023 Kia Sonet को 7.79 लाख रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर बेचा जाएगा, जो कि 14.89 लाख रुपये तक जाती है। कंपनी ने kia Seltos की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 10.89 लाख रुपये रखी है और ये 19.65 लाख रुपये तक जाती है। वहीं Kia Carens को 10.45 लाख रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत से लेकर 18.90 लाख रुपये तक रखा गया है।

*नए पॉवरट्रेन के साथ कंपनी ने इन तीनों कार की कीमत भी बदल दी हैं। अब 2023 **Kia Sonet** को 7.79 लाख रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर बेचा जाएगा, जो कि 14.89 लाख रुपये तक जाती है। कंपनी ने **kia Seltos** की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 10.89 लाख रुपये रखी है और ये 19.65 लाख रुपये तक जाती है।*

इनसाइड

हीरो स्पलेंडर प्लस के मुकाबले कितनी दमदार है होंडा शाइन 100, कौन किस मामले में बेहतर

भारतीय बाजार में हीरो और होंडा दोनों कंपनियों की बाइक्स अधिक सेल होती है। हाल के दिनों में लॉन्च की गई होंडा शाइन 100 का मुकाबला स्प्लेंडर प्लस से है। आज हम आपके लिए Honda Shine 100 vs Hero Splendor Plus की तुलना लेकर आए हैं।

नई दिल्ली। हीरो और होंडा दोनों ही कंपनियां भारतीय बाजार में आज से ही नहीं कई सालों से राज करते आ रही है। ये तो आपने भी खुद अनुभव किया होगा कि भारतीय सड़कों पर अधिकतर हीरो और होंडा की बाइक्स दिखाई देती है। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने शाइन 100 के लॉन्च के साथ 100 सीसी मोटरसाइकिल कैटेगरी में कदम रखा है। नई 2023 होंडा शाइन 100 को भारतीय बाजार में 64,900 रुपये एक्स-शोरूम में लॉन्च किया गया है और इसका मुकाबला स्प्लेंडर प्लस से है। आज हम आपके लिए एंट्री-लेवल 100cc कम्यूटर मोटरसाइकिल की तुलना लेकर आए हैं।

Honda Shine 100 vs Hero Splendor Plus डिजाइन और कलर

डिजाइन के मामले में, इन दोनों मोटरसाइकिल का लुक ही लोगों को अधिक पसंद आता है। वाहन निर्माता कंपनी ने होंडा शाइन 100 को पांच कलर ऑप्शन में पेश किया है, जबकि स्प्लेंडर प्लस बारह पेंट कलर ऑप्शन में ही आती है।

Honda Shine 100 vs Hero Splendor Plus इंजन और गियरबॉक्स

Honda Shine 100 में 99.7cc, सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड, फ्यूल-इंजेक्टेड इंजन है जो 7.6 bhp और 8.05 Nm का टार्क जनरेट करती है। दूसरी ओर, हीरो स्प्लेंडर प्लस में 97.2cc, सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड, फ्यूल-इंजेक्टेड मोटर मिलता है जो 7.9 bhp और 8.05 Nm का पीक टॉर्क जनरेट करती है। ये दोनों मोटरसाइकिलें 4-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स से जुड़ी हैं। इसके अलावा ये 60-70 kmpl का माइलेज देती है। नई होंडा शाइन 100 के साथ - साथ हीरो स्प्लेंडर प्लस स्पोर्ट टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और रियर में डुअल सस्पिंग-लोडेड शॉक एब्जॉर्बर के साथ आती है। दोनों में ब्रेकिंग सिस्टम के साथ दोनों ओर ड्रम ब्रेक द्वारा ब्रेकिंग ड्यूटी है।

डेली के काम झटपट निपटाने हीरो ने लॉन्च की 2 नई इलेक्ट्रिक साइकिल

नई दिल्ली. भारतीय बाजार के इलेक्ट्रिक साइकिल सेगमेंट की सबसे बड़ी कंपनी हीरो लेक्ट्रो (Hero Lectro) ने दो नई ई-साइकिल लॉन्च की हैं। इन साइकिल के नॉडल H3 और H5 हैं। दोनों ई-साइकिल GEMTEC पावर्ड हैं। H3 की कीमत 27,499 और H5 की कीमत 28,499 रुपए है। H3 को दो कलर ऑप्शन ब्लिसफुल ब्लैक-ग्रीन और ब्लेजिंग ब्लैक-रेड में खरीद पाएंगे। वहीं, H5 को ग्रूवी ग्रीन और ग्लोरियस ग्रे कलर में खरीद सकते हैं। दोनों साइकिल की सिंगल चार्ज पर रेंज 30km तक है। हीरो लेक्ट्रो की इन न्यू इलेक्ट्रिक साइकिलों को मजबूती देने के साथ हल्का रखने के लिए GEMTEC मैटिरियल का इस्तेमाल किया गया है। इसमें एक नई राइड ज्योमेट्री और स्मार्ट फिट एर्गोनॉमिक्स मिलता है, जिसे हीरो साइकिल्स के R&D सेंटर में डिजाइन और डेवलप किया गया है। इन GEMTEC ई-साइकिलों को कंपनी की D2C वेबसाइट के साथ-साथ हीरो लेक्ट्रो के 600 से ज्यादा डीलरों के नेटवर्क, ई-कॉमर्स चैनलों से खरीद सकते हैं।

2028 तक हर साल नई कार लेकर आएगी होंडा, कंपनी ने किया एलान

जापानी वाहन निर्माता कंपनी Honda ने एलान किया है कि वह आने वाले सालों में कई नए मॉडल लॉन्च करने जा रही है। इसमें SUV से लेकर इलेक्ट्रिक कार तक शामिल हैं। ये जानकारी कंपनी के एक आला अधिकारी ने दी है।

नई दिल्ली। जापानी कार निर्माता कंपनी Honda भारत में अपने कारोबार को बढ़ाने की ओर रुख कर रही है। कंपनी ने एलान किया है कि वो 2028 तक हर साल नई कार पेश करेगी। कंपनी का उद्देश्य भारत में अपनी बाजार हिस्सेदारी को बढ़ाना है। अभी तक Honda देश में केवल सेडान और कॉम्पैक्ट सेडान श्रेणी की कार बेचती है। क्या कंपनी आने वाले सालों में कोई इलेक्ट्रिक कार या फिर SUV भी लॉन्च करने वाली है, आइए जान लेते हैं।

क्या है कंपनी का प्लान

जापानी कार निर्माता कंपनी होंडा के एक आला अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए कहा कि वो भारत में अपने कारोबार को बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। इसके लिए कंपनी अगले तीन से पांच साल तक प्रत्येक वर्ष एक नया उत्पाद पेश करेगी। ये या तो पूर्णतया नए मॉडल होंगे या फिर अपडेट।

मौजूदा स्थिति की बात करें तो Honda की भारत में 2.5 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि भारत में होंडा को चालू वित्त वर्ष में लगभग 92,000 यूनिट्स के साथ 8 प्रतिशत उछाल की उम्मीद है। साथ ही कंपनी भारत में निर्मित कारों को तुर्की, मैक्सिको, दक्षिण अफ्रीका और पश्चिम एशिया को भी निर्यात कर रही है। कंपनी ने इस वर्ष कुल 23 हजार यूनिट्स को निर्यात किया है जो कि पिछले साल के मुकाबले 25 प्रतिशत अधिक है।

लॉन्च होगी SUV और इलेक्ट्रिक कार?

कंपनी के उपाध्यक्ष (मार्केटिंग एंड सेल्स) कुनाल बहल ने कहा कि Honda अगले वित्त वर्ष की पहली छमाही में एक SUV कार को भी लॉन्च करने की योजना बना रही है। वहीं उन्होने कहा कि कंपनी इलेक्ट्रिक कार को भी लॉन्च करने की योजना में है।

आपको बता दें कि उन्होने इन कार को लॉन्च करने की कोई निर्धारित समय-सीमा नहीं बताई है। मौजूदा समय में कंपनी देश में केवल सेडान कारों को ही बेच रही है। हाल ही में उसने अपनी सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली कार Honda City को हाइब्रिड इंजन के साथ पेश किया था।

कंपनी के उपाध्यक्ष (मार्केटिंग एंड सेल्स) कुनाल बहल ने कहा कि Honda अगले वित्त वर्ष की पहली छमाही में एक SUV कार को भी लॉन्च करने की योजना बना रही है। वहीं उन्होने कहा कि कंपनी इलेक्ट्रिक कार को भी लॉन्च करने की योजना में है।

क्या होता है कारों में A-B-C-D और J सेगमेंट, आसान भाषा में समझिए इनका अंतर

कार निर्माता कंपनी अपने वाहनों को अलग-अलग सेग्मेंट में वर्गीकृत करके बेचती हैं। इनमें ABCD और J सेग्मेंट शामिल हैं। हम आपको इन सभी के बारे में ही बताने जा रहे हैं। कार के सेगमेंट को लेकर अपना कन्फ्यूजन दूर कर लीजिए।

नई दिल्ली। सभी वाहन निर्माता कंपनियां अपनी कारों के आकार और डायमेंशन के हिसाब से इन्हें A,B,C,D और J सेगमेंट में वर्गीकृत करती हैं। क्या आपको इन सभी टर्म के बारे में पता है? अगर जवाब है नहीं, तो आप इस लेख को पढ़ने के बाद कारों के इन सभी सेगमेंट के बारे में जान जाएंगे। साथ ही आपको ये भी पता लग जाएगा कि आप जिस कार के मालिक हैं, वो किस श्रेणी में आती है।

आकार और डायमेंशन के हिसाब से होता है वर्गीकरण

कंपनी जब किसी कार को डिजाइन करती है तो ये ध्यान में रखा जाता है कि इसे किन ग्राहकों के लिए बनाया जाय और इसका आकार और डायमेंशन क्या होना चाहिए। इसलिए ही कारों को A,B,C,D और J सेगमेंट में बांटा गया है। आपको बता दें कि सबसे छोटी कारों को A, वहीं सबसे बड़े आकार की गाड़ियों को J सेगमेंट में शामिल किया जाता है। आइए, आपको अब A से लेकर J सेगमेंट को आसान भाषा में समझाते हैं।

A-सेगमेंट

ये गाड़ियां आकार में छोटी होती हैं और शहरी रास्तों के लिए ठीक होती हैं। इन्हें अच्छी सड़कों पर आसानी से चलाया जा सकता है। A-सेगमेंट की गाड़ियों का इंजन और वजन भी हल्का रखा जाता है। इन्हें एंट्री लेवल मॉडल और कॉम्पैक्ट हैचबैक भी कहा जाता है।

B-सेगमेंट

इस सेगमेंट की कारों को स्मॉल हैचबैक और प्रीमियम हैचबैक के नाम से जाना जाता है। A-सेगमेंट की गाड़ियों के मुकाबले ये ज्यादा ऊंची और चौड़ी होती हैं। B-सेगमेंट की कार में 4 लोग आसानी से बैठ जाते हैं।

C-सेगमेंट

इस सेगमेंट की कार की लंबाई ज्यादा होती है, लेकिन ये कम ऊंची होती है। A और B सेगमेंट के मुकाबले इसमें बैठने के लिए ज्यादा जगह होती है, कारण है कार की ज्यादा लंबाई। C-सेगमेंट की कारों को सेडान के नाम से भी जाना जाता है।

D-सेगमेंट

इस सेगमेंट में मिड साइज फैमली कार और Sedan को शामिल किया जाता है। ये C-सेगमेंट वाली कार के मुकाबले ज्यादा बड़ी और पॉवरफुल होती हैं। श्रेणी में प्रीमियम सेडान कार भी आती हैं।

J-सेगमेंट

Cars की इस श्रेणी को मौजूदा समय में सबसे ज्यादा पसंद किया जा रहा है। इन कारों को SUV यानी Sports utility vehicle कहा जाता है। ये कारें सभी रास्तों पर चलने में सक्षम होती हैं। इनको भी आकार और डायमेंशन के मुताबिक B, C और D श्रेणी में विभाजित किया जाता है।

MPV-सेगमेंट

ये बहुउद्देशीय कार होती हैं। इसी वजह से इन्हे MPV यानी Multi Purpose Vehicle कहा जाता है। बड़े परिवार के लिए ये कार सुविधाजनक रहती है। इन कारों की लंबाई और चौड़ाई दोनों ही ठीक-ठाक होती है।

सेकेंड हैंड कार खरीदते समय इन 5 चीजों का जरूर रखें ख्याल, मिलेगी बेहतरीन डील

सेकेंड हैंड कार खरीदने जा रहे हैं उसके मौजूदा इंश्योरेंस पेपर हैं या नहीं। पेपर के साथ यह भी जांच लें कि कार से कोई दुर्घटना या क्लेम तो नहीं किया गया है।

नई दिल्ली। लोग अक्सर सेकेंड हैंड कार खरीदते समय ठग जाते हैं। इसका मुख्य कार गाड़ी संबंधित कम जानकारी होना है। इसलिए अगर आप भी यूज्ड कार खरीदने जा रहे हैं तो इस खबर को जरूर पढ़ें, जहां आपको 5 टिप्स बताएं गए हैं। इनकी मदद से आप अच्छी डील कर सकते हैं।

गाड़ी की कंडीशन चेक करें

अपनी जरूरतों के आधार पर एक सही कार खोजने के बाद कार की स्थिति की जांच करना पहला और महत्वपूर्ण कदम है। कार स्थिति (कंडीशन) का मतलब है कि इंटीरियर, एक्सटीरियर, फ्रेमिंग, टायर, इंजन, माइलेज, ओडोमीटर, टेस्ट ड्राइव और इंजन सहित बहुत सी चीजें हैं जिन्हें चेक करना काफी जरूरी है, ताकि आप कार के हेल्ड की जांच कर सकें। इन पैरामीटर को चेक करने के बाद ही आपको सही कीमत तय कर पाएंगे।

सर्विस हिस्ट्री चेक करें

बहुत बार ऐसा होता है कि गाड़ी खरीदने की इतनी जल्दी रहती हैं कि लोग सर्विस हिस्ट्री के बारे में पूछना भूल जाते हैं। आप अगर सेकेंड हैंड कार देखने जा रहे हैं तो संबंधित सर्विस हिस्ट्री से जुड़े डॉक्यूमेंट्स जरूर चेक करें।

इंश्योरेंस पेपर चेक करें

सेकेंड हैंड कार खरीदने जा रहे हैं, उसके मौजूदा इंश्योरेंस पेपर हैं या नहीं। पेपर के साथ यह भी जांच लें कि कार से कोई दुर्घटना या क्लेम तो नहीं किया गया है। जानकारी के लिए बता दें, वाहन इंश्योरेंस पॉलिसी पर इसे देखने का तरीका यह है कि लागू किए गए नो क्लेम बोनस (NCB) प्रतिशत पर ध्यान दें।

टेस्ट ड्राइव जरूर लें

वाहन को खरीदनें से पहले उसके ब्रेक की जाँच करें। कार को ऐसी जगह कम से कम 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलाएं जिसमें ट्रैफिक कम हो। ब्रेक पैडल से किसी भी कंपन या किसी भी अजीब आवाज का एहसास हो तो तुरंत मैकेनिक से परामर्श लें।

एक और भ्रामक रिपोर्ट

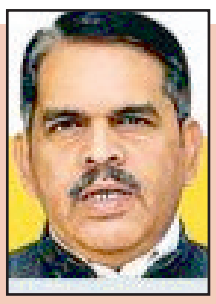

डा. अश्विनी महाजन

भारत को 126वें स्थान पर रखा गया है, जबकि 137 देशों की सूची में अफगानिस्तान सबसे अंतिम पायदान पर दिखाया गया है। हालांकि भारत की रैंकिंग पहले से बेहतर हुई है क्योंकि पिछले साल तो भारत को 136वें स्थान पर बताया गया था

मार्च 2023 के तीसरे सप्ताह में 'सस्टेंनेबल डेवलपमेंट सोल्युशन नेटवर्क' द्वारा विश्व खुशी रिपोर्ट-2023 जारी की गई है। इस रिपोर्ट में भी भारत को विश्व खुशी सूचकांक में 126वें स्थान पर दिखाया गया है। हालांकि इस रिपोर्ट में भारत को पिछले वर्ष 136वें पायदान से बेहतर 126वें पायदान पर रखा गया है, लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि ऐसे कई मुल्क जो विभिन्न परिस्थितियों के चलते किसी भी हाल में खुशी के मामले में भारत से बेहतर हो ही नहीं सकते, उन्हें भी भारत से बेहतर स्थिति में दिखाया गया है। उदाहरण के लिए साऊदी अरब जिसमें तानाशाही व्यवस्था है, उसे तीसरे स्थान पर, यूक्रेन जो युद्ध में बर्बाद हो चुका है उसे 92वें स्थान पर, तुर्की जो महंगाई के कारण टूट चुका है उसे 106वें स्थान पर, दुनिया के सामने भीख का कटोरा लिए खड़े पाकिस्तान को 108वें स्थान पर दिखाया गया है और पूरी तरह से दिवालिया हो चुका श्रीलंका 112वें स्थान पर है और भारत जो खाद्य पदार्थों की दृष्टि से ही नहीं बल्कि विभिन्न अन्य मामलों में दुनिया के उन तमाम मुल्कों से कहीं बेहतर है जो इस रिपोर्ट में भारत से बेहतर स्थिति में दिखाए गए हैं। ऐसे में इस रिपोर्ट के बारे में भी सवाल उठ रहे हैं। यह पहली बार नहीं कि इस प्रकार की भ्रामक रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। हाल ही में 'वेल्ट हंगर हिल्फे' नाम के एक जर्मन एजेंसी द्वारा भी भारत को भूखमरी सूचकांक में 121 देशों की तालिका में 107वें स्थान पर रखा था। उसमें दिलचस्प बात यह थी कि उस सूची में यूक्रेन ही नहीं बल्कि ईराक, ईरान, तुर्की, पाकिस्तान, श्रीलंका, म्यांमार, बंगलादेश और जोर्डन आदि देशों को भी भारत से बेहतर स्थिति में दिखाया है। भारत सरकार ही नहीं कई अन्य संस्थाओं और विशेषज्ञों द्वारा इस रिपोर्ट पर सवालिया निशान लगाए गए थे। सच्चाई तो यह है कि भारत इस समय खाद्यान्न और अन्य खाद्य पदार्थों के संदर्भ में दुनिया के अनेक मुल्कों से कहीं आगे है। आज जब दुनिया के अधिकांश गरीब ही नहीं बल्कि अमीर मुल्क भी खाद्य पदार्थों की कमी से जूझ रहे हैं। भारत अभी तक अफगानिस्तान, बंगलादेश, भूटान, ईजराइल, इंडोनेशिया, मलेशिया, नेपाल, ओमान, फिलिपिन्स, कतर, साऊथ कोरिया, श्री लंका, सूडान, स्वीट्जरलैंड समेत कई मुल्कों को लाखों टन अनाज भेज चुका है।

यही नहीं भुखमरी के संदर्भ में विभिन्न प्रकार के संकेतक भी पहले से कहीं बेहतर हुए हैं। लेकिन वेल्ट हंगर हिल्फे द्वारा अत्यंत शरारतपूर्ण तरीके से जिस प्रकार भारत को भुखमरी के संदर्भ में अत्यंत शोचनीय स्थिति में दिखाया गया है, यह उस रेटिंग एजेंसी पर एक सवालिया निशान लगाता है। समझना होगा कि वेल्ट हंगर हिल्फे का भुखमरी सूचकांक कोई इकलौता उदाहरण नहीं है। भारत द्वारा पिछले कुछ दशकों में जो उल्लेखनीय प्रगति की है, जिससे लोगों का जीवन स्तर पहले से कहीं बेहतर हुआ है और भारत पिछले कुछ सालों में विश्व की दसवीं बड़ी अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ता हुआ 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, दुनिया की कई शक्तियों को भारत की यह प्रगति हजम नहीं हो रही। ऐसे में वे विभिन्न हथकंडे अपनाकर भारत को बदनाम करने की कोई कसर छोड़ते नहीं हैं।

विश्व खुशी रिपोर्ट की शुरुआत वर्ष 2012 में हुई। यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र की एक वैश्विक पहल सस्टेंनेबल डेवलपमेंट सोल्युशन नेटवर्क द्वारा प्रकाशित की जाती है। कहा जाता है कि यह रिपोर्ट दुनिया भर से एक औचक यानि झटपट सर्वेक्षण के आधार पर बनाई जाती है। लेकिन देखा जाये तो इस प्रकार की अवधारणा की शुरुआत वास्तव में 1974 में भूटान के तत्कालीन नरेश जिगमे सिंगे वांचुक द्वारा राष्ट्रीय खुशी सूचकांक के नाम से की गई। उनका मानना था कि उत्पादन में वृद्धि मात्र खुशी का सबब नहीं बन सकती। इसलिए विकास के मापन में खुशी एक महत्वपूर्ण तत्व होना चाहिए। उसके उपरांत भूटान देश ने अपने लोगों की खुशी के उद्देश्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी प्रारंभ की।

पिछले कुछ वर्षों से दुनिया भर के देशों को वहां के लोगों की खुशी के आधार पर सूचीबद्ध करने का काम शुरू हुआ। 2009 में प्रकाशित हैप्पी प्लैनेट सूचकांक के नाम की सूची को देखने से पता चलता है कि अमरीका जो दुनिया का अत्यंत विकसित राष्ट्र है, हैप्पी प्लैनेट सूचकांक के आधार पर 143 देशों की सूची में 114वें स्थान पर था। सिंगापुर 49वें, फ्रांस 71वें, कनाडा 89वें, इंगलैंड 74वें, जर्मनी 51वें और भारत 35वें पायदान पर था। प्रति व्यक्ति आय, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के वर्तमान सूचकों के आधार पर मानव विकास सूचकांक की सूची में 131वें स्थान पर खड़ा भूटान आश्चर्यजनक रूप से खुशी सूचकांक के आधार पर 17वें स्थान पर खड़ा था। वास्तव में प्रथम 20 स्थानों में जगह बनाने वाले राष्ट्रों में भूटान एक मात्र विकासशील देश था। दिलचस्प बात यह है कि वर्तमान में विश्व ख़ुशी सूचकांक के हिसाब से फिनलैंड जो पहले स्थान पर है, इस रिपोर्ट में 59वें स्थान पर था। जुलाई 2011 में संयुक्त राष्ट्र की आम सभा में एक प्रस्ताव पारित किया गया : 'खुशी : विकास के एक समग्र परिभाषा की ओर'। अप्रैल 2012 में पहली विश्व खुशी रिपोर्ट प्रकाशित की गई और उसके उपरांत हर वर्ष 20 मार्च को संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस के अवसर पर प्रकाशित की जाती है। इस संदर्भ में विभिन्न देशों की खुशी के पैमाने पर रैंकिंग कैनट्रिल लेडर सर्वे यानि कैनट्रिल सीढ़ी सर्वेक्षण के पैमाने पर की जाती है। इस सर्वेक्षण को गैलोप नाम की एक कंपनी द्वारा अंजाम दिया जाता है। विभिन्न देशों के प्रतिनिधि नमूना उत्तरदाताओं से प्रश्न पूछे जाते हैं, जिसमें खुशी के संदर्भ में विचारणीय विषयों के बारे में पूछा जाता है कि वे उस मापदंड से ख़ुशी की सीढ़ी के किस पायदान पर हैं, सबसे खराब संभव जीवन शून्य और सबसे सर्वोत्तम जीवन को 10 अंक दिए जाते हैं। वैश्विक स्तर पर अलग-अलग देशों में जिस प्रश्नावली का इस्तेमाल किया जाता है उसमें 1. व्यापार और आर्थिकी, 2. नागरिक जुड़ाव, 3. संचार एवं प्रौद्योगिकी, 4. विविधता (सामाजिक मुद्दे), 5. शिक्षा एवं परिवार, 6. भावनाएं (कल्याण), 7. पर्यावारण एवं ऊर्जा, 8. भोजन और आवास, 9. सरकार और राजनीति, 10. कानून और व्यवस्था (सुरक्षा), 11. स्वास्थ्य, 12. धर्म और नैतिकता, 13. परिवहन और 14. काम यानि रोजगार विषयों को शामिल किया जाता है।

विचारणीय बात यह है कि विश्व में जो ख़ुशी सूचकांक सबसे पहले प्रकाशित हुआ था उसमें अमरीका और यूरोप के देश ख़ुशी सूचकांक में बहुत पीछे थे। लेकिन जब से यह काम पश्चिमी देशों के हाथ में आया, तब से एशियाई देश पीछे खिसक गए और यूरोपीय देश पहली पंक्ति में आ गये। यानि कहा जा सकता है कि भौतिक संपत्ति और आमदनी फिर से ख़ुशी का पैमाना घोषित हो गयी है और कम आय वाले देशों को अपनी मन मजर्ी से ऊपर-नीचे करने का काम हो रहा है। वर्ष 2023 की जो रिपोर्ट प्रकाशित हुई है उसके अनुसार फिनलैंड दुनिया का सबसे खुश देश माना गया है। उसके बाद डेनमार्क, आयरलैंड, इजराइल और नीदरलैंड को शामिल किया गया है।

उसके बाद स्वीडन, नार्वे, स्वीट्जरलैंड, लक्समबर्ग और न्यूजीलैंड का स्थान आता है। भारत को 126वें स्थान पर रखा गया है, जबकि 137 देशों की सूची में अफगानिस्तान सबसे अंतिम पायदान पर दिखाया गया है। हालांकि भारत की रैंकिंग पहले से बेहतर हुई है क्योंकि पिछले साल तो भारत को 136वें स्थान पर बताया गया था। भारतीय मीडिया और खासतौर पर सोशल मीडिया में इस रिपोर्ट के संदर्भ में तीखी प्रतिक्रियाएं आई हैं। इसका कारण यह नहीं कि भारत को 126वें स्थान पर बताया गया है, बल्कि इसका कारण यह है कि यूक्रेन, ईराक, ईरान, तुर्की, पाकिस्तान, श्रीलंका, म्यांमार, बंगलादेश और जोर्डन को भी भारत से बेहतर स्थिति में दिखाया गया है। सोशल मीडिया पर आने वाली प्रतिक्रियाएं अत्यंत रोचक हैं। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि यह भेदभावपूर्ण है।

संपादक की कलम से

'अनपढ़' पीएम की राजनीति

अद्धराज्य दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) इन दिनों प्रचार कर रहे हैं कि देश के प्रधानमंत्री मोदी 'अनपढ़' हैं या 'कम पढ़े-लिखे' हैं। यह निराशाजनक, खोखला और अनैतिक दुष्प्रचार है। किसी भी व्यक्ति या प्रधानमंत्री की शैक्षिक डिग्री 'सूचना के अधिकार' के बाहर है। वह एक निजी उपलब्धि और दस्तावेज है। यदि वह सार्वजनिक नहीं है, तो कानूनन उसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। कमोबेश केजरीवाल को भी इतनी जानकारी होगी, क्योंकि उन्होंने 'सूचना का अधिकार' से ही अपनी राजनीति शुरू की थी और 'मैगसेसे अवार्ड' हासिल किया था। गुजरात उच्च न्यायालय ने इस संदर्भ में फैसला देते हुए केंद्रीय सूचना आयोग के उस निर्देश को खारिज किया है, जिसमें आयोग ने प्रधानमंत्री की शैक्षिक डिग्री का खुलासा करने के निर्देश गुजरात विश्वविद्यालय को दिए थे। केजरीवाल ने 'सूचना के अधिकार' के तहत आवेदन किया था। अदालत ने केजरीवाल पर 25,000 रुपए का जुर्माना भी ठोंका है। लोकतांत्रिक राजनीति के मायने ये नहीं हैं कि निर्वाचित नेता और प्रधानमंत्री उच्च शिक्षा प्राप्त हों या किसी विषय के विशेषज्ञ हों अथवा कुलीन और अभिजात्य जमात के हों। एक बेहद आम और गरीब आदमी प्रधानमंत्री के पद तक पहुंच सकता है। दरअसल केजरीवाल और 'आप' के प्रवक्ता-नेता इसे भी राजनीतिक प्रचार बना रहे हैं कि प्रधानमंत्री अनपढ़ या अल्पशिक्षित हैं, लिहाजा काम करने और नीतियां बनाने में अक्षम हैं। उन्हें अर्थव्यवस्था की माकूल समझ नहीं है, लिहाजा देश पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है, जो कभी आर्थिक संकट में तबदील हो सकता है। उच्चन्यायालय ने भी माना है कि देश में शिक्षा पर काम अभी चल रहा है। एक तरफ शैक्षिक पहुंच और अवसरों की असमानता है। दूसरी ओर, जाति, जमात और लिंग की असमानताएं हैं। हालांकि देश में 6-14 आयु-वर्ग के बच्चों के लिए अनिवार्य और निःशुल्क शिक्षा का अधिकार एक कानून है, लेकिन उसकी भी विसंगतियां हैं, लिहाजा शिक्षा में हम अपेक्षित लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए हैं। लोकतंत्र 'लोगों के द्वारा' और 'लोगों के लिए' की एक व्यवस्था है। प्रधानमंत्री की शैक्षिक डिग्री की तुलना केजरीवाल की आईआईटी की डिग्री या आईआरएस से नहीं की जा सकती। कुलीन और उच्चतम शिक्षा वाले प्रधानमंत्री के तहत और उनके आदेशानुसार काम करते हैं, क्योंकि लोकतांत्रिक जनादेश अंतिम निष्कर्ष है।

केजरीवाल ने उच्च शिक्षित होने के बावजूद अपनी राजनीति का जो मकसद घोषित किया था, आज वह और उनकी पार्टी उससे बिल्कुल भटके हुए हैं। केजरीवाल सरकार में दो वरिष्ठ मंत्री, बल्कि एक तो उपमुख्यमंत्री थे, आज तिहाड़ जेल में हैं। कोई तो कानूनी साक्ष्य होंगे, जिनके आधार पर अदालत ने उन्हें जेल में रखा है। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन तो करीब 11 माह से जेल में हैं। उन पर मनी लॉन्ड्रिंग के बेहद गंभीर आरोप हैं, लिहाजा अदालत बार-बार जमानत की याचिका खारिज कर रही है। केजरीवाल ने देश के प्रधानमंत्री पर 'गंदा कीचड़' उछाला है। यदि प्रधानमंत्री मोदी 'अल्पशिक्षित' हैं, क्योंकि 'अनपढ़' की बात करना बकवास है, तो क्या उन्हें प्राप्त जनादेश खारिज किया जा सकता है? जनादेश उनकी पार्टी भाजपा के 303 सांसदों के पक्ष में है, बहुमत से अधिक बहुमत है, उन सांसदों ने प्रधानमंत्री मोदी को अपना नेता चुना है। केजरीवाल उसमें हस्तक्षेप कैसे कर सकते हैं? यदि इस मुद्दे को लेकर वह 2024 के आम चुनाव में उतरना चाहते हैं, तो स्वागत है। यदि केजरीवाल मानते हैं कि प्रधानमंत्री 'अनपढ़' हैं और देश पर शासन चलाने में अक्षम हैं, तो यह अपमानजनक और निचले दर्जे का बयान है। कोई न कोई भाजपा नेता या सांसद अदालत में इसे चुनौती दे सकता है। शैक्षिक डिग्री को लेकर गुजरात उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है, लिहाजा परोक्ष रूप से यह अवमानना का मामला भी बन सकता है। बहरहाल केजरीवाल काल्पनिक राजनीति कर रहे हैं।

व्यंग्य

चाय की नई सुबह

पीए सिद्धार्थ

जो कप में हर सुबह को ले के पास आ जाती, उसी चाय के बाग में रात का सन्नाटा भरा है। यह दर्द कांगड़ा चाय के हर उल्लेख में दर्ज है, लेकिन जब तक चाय का अस्तित्व है, सुबह इसे नजरअंदाज नहीं कर सकती। कांगड़ा चाय को मिला यूरोपियन जीआई टैग इसी तरह की एक सुबह है, जिसके प्रकाश में उदास उद्योग को पुनः जागने का अवसर मिल रहा है। एक बहुप्रतीक्षित सम्मान की तरह आया जीआई टैग कांगड़ा चाय की महक को अपनी खास पहचान के साथ अंतरराष्ट्रीय मार्किट में खड़ा कर रहा है। इसका सीधा अर्थ यह कि कांगड़ा चाय की खूबियों से किसी भी बाजार या उपभोक्ता को आज तक शिकायत नहीं रही, बल्कि चाय उद्योग के प्रबंधन ने ही इसकी कमर तोड़ दी। चाय सिर्फ बागीचा नहीं और न ही निजी मिलकीयत का अधिकार है, बल्कि यह परिवेश की संपन्नता की हिस्सेदारी थी जिसे समाज, सरकार और संस्कृति ने भुला दिया। इसीलिए चाय के बागीचे केवल जमीन-जायदाद की तरह बंटे, बिके और बंजर हो गए। कभी कांगड़ा चाय की संस्कृति इस उद्योग को हर घर के जायके को परवान चढ़ाती थी और इसकी खूबियां मध्य एशिया, यूरोप से आस्ट्रेलिया तक गिनी जाती थीं। लंदन की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 1886 और 1895 के वे पन्ने आज भी सुरक्षित हैं, जब इन्हीं पत्तियों पर चांदी और स्वर्ण पुरस्कारों का रंग चढ़ा था। यहीं मांग इसके सफर को जारी रखती रही, लेकिन इनसानी फितरत में चाय के बागान जैसे ही संपत्ति बने, ये बिके या निकम्मे हो गए। लैंड सीलिंग एक्ट ने अपनी छूट में भले ही चाय उत्पादकों की तरफदारी की, लेकिन पालमपुर जैसे शहर की कई बस्तियों ने चाय की झाडियां रौंद डाली। बेशक चाय को बचाने की कोशिशें होती रही, लेकिन विभिन्न विभागों में फंस कर यह धंधा मंदा हो गया। खास तौर पर जिस सहकारी क्षेत्र से जुडक़र चाय उत्पादन को प्रमाणिकता के साथ उपभोक्ता तक पहुंचना था, वही सफर फैक्टरियों के प्रांगण में ध्वस्त हो गया। दूसरी ओर मसला लागत का भी रहा। चाय उत्पादन एक असाधारण प्रक्रिया को बाजार तक पहुंचाने और वहां की प्रतिस्पर्धा में साबित होने का नाम है, जो खेत से फसल को मंडी तक पहुंचाने से बिल्कुल अलग है। कांगड़ा चाय इस मापदंड में अपनी मुसीबतें बढ़ाती रही है और यही वजह है कि पिछले डेढ़ दशक में चाय उत्पादकों की संख्या छह हजार से घट कर एक-चौथाई भी नहीं रही, जबकि बागीचे भी चार हजार हेक्टेयर से घट कर करीब 2500 हेक्टेयर तक ही सिमट गए। इसी तरह चाय उत्पादन भी औसतन दस लाख किलो से घट कर करीब आठ लाख किलोग्राम तक पहुंच चुका है। इस पर भी मांग और बाजार को छूने के लिए कोलकाता के मार्फत घाटा ही घाटा रहा। ऐसे में यूरोपियन जीआई टैग का मिलना बाजार के सीधे रास्ते खोल रहा है तथा भारतीय चाय के तमाम ब्रांड में इसकी प्रस्तुति को स्वतंत्र व पृथक बना रहा है। यह कांगड़ा चाय उत्पादन के लिए संभावनाओं का ऐसा अक्स है, जो भविष्य में इसकी पैदावार को बढ़ाकर हिमाचली आर्थिकी को नई सुबह प्रदान कर सकता है। इसके लिए चाय को राज्य की प्राथमिकता मिलनी चाहिए ताकि नए गार्डन विकसित हों तथा पुरानों को पुनर्जीवित करने की व्यापक योजना के साथ-साथ पत्तियों की देखभाल के लिए मनरेगा जैसी योजना जोड़ी जाए। हिमाचल में धूमल सरकार ने चाय उत्पादन की संभावना में नए क्षेत्र खोजने की मुहिम शुरू की थी, लेकिन इसे बाद में आगे नहीं बढ़ाया गया। इसमें दो राय नहीं कि पालमपुर के हिमालय जैव संपदा प्रौद्योगिकी संस्थान ने कांगड़ा चाय की सही शिनाख्त व इसके विलक्षण गुणों का परिचय कराया है और इसी वजह से मांग बढ़ी है, लेकिन उत्पादन बढ़ाने के लिए नए क्षेत्रों में चाय की खेती तथा पुराने बागीचों को जीवनदान व सामथ्र्य प्रदान करने के लिए सरकार का प्रश्रय चाहिए। हिमाचल के कांगड़ा, मंडी व चंबा जिलों में चाय की खेती बढ़ाने के लिए सार्वजनिक भूमि के इस्तेमाल के अलावा जंगल को बदलकर चाय की झाडियों के नाम कर देने से, चाय आर्थिकी से ग्रीन इकोनॉमी का विस्तार संभव है।

प्रताप सिंह पटियाल

आब-ए-तल्ख नशा या मुनाफे की दुकान

सभ्य समाज में मयखानों को भले ही इज्जत के नजरिए से नहीं देखा जाता हो मगर मुल्क की मइशत को मजबूत करने में आब ए तल्ख एक बड़ा किरदार अदा करती है। देश के चरमराते अर्थतंत्र का बोझ काफी हद तक मधुशालाओं से लडख़ड़ा कर निकलते सुरा प्रेमियों के कंधों पर मुन्नसर करता है। मदिरापान की बढ़ती प्रवृति से महसूस होता है कि सुराप्रेमी नास्तिक शिरोमणि 'आचार्य चार्वाक' के उस श्लोक को जहन में बिठा चुके हैं जिसमें उल्लेख है: 'पीत्वा, पीत्वा पुनः पीत्वा यावत्पतति भूतले, उत्थाय च पुनः पीत्वा पुर्नजन्म न विद्यते' अर्थात पीजिए फिर पीजिए जब तक जमीन पर न गिर जाए, उठिए और फिर पीजिए क्योंकि जन्म दोबारा नहीं होता। जाहिर है मदिरापान की परंपरा व इतिहास काफी पुराना है। सोहबत-ए-मयकशी का मरकज मयखानों में युवावर्ग से लेकर उम्रदराज लोगों तक हर वर्ग की मेजबानी पूरी शिद्दत से होती है।

मधुशालाओं की दहलीज पर हर जाति, मजहब के सुराप्रेमी दस्तक देते हैं। यहां किसी से कोई भेदभाव नहीं होता। देश में मदिरालयों की संख्या व मदिरा प्रेमियों की तादाद में लगातार इजाफा दर्ज हो रहा है। वर्तमान में देश की राजधानी दिल्ली आब ए तल्ख के घोटालों को लेकर सुर्खियों का केंद्र बनी है। वहां की हुकूमत ने नई आबकारी नीति के तहत शराब पीने की न्यूनतम उम्र 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष कर दी है। सुरापान के भी कुछ असूल होते हैं। इसके ऊपर जितनी बंदिश लगेगी, मदिरा की अवैध तिजारत व शराब माफिया का अवैध धंधा उतनी ही तेज रफ्तार पकड़ता है। जिन राज्यों में शराबबंदी लागू है, वहां सुरक्षा एजेंसियां लाखों रुपए की शराब जब्त कर रही हैं। शराब की कीमत में शदीद इजाफा होने के बावजूद इसकी बिक्री में कमी दर्ज नहीं होती, लेकिन शराबंदी व शराब की बढ़ती कीमत के कारण शराब माफिया की जहरीली शराब का अवैध कारोबार हर वर्ष सैकड़ों लोगों को मौत की नींद सुला रहा है। अवैध शराब यानि बिना रिकार्ड के बिकने वाली शराब। लाखों लोग इसी अवैध शराब का शिकार बनते हैं। जनवरी 2022 में जहरीली शराब ने मंडी जिला में सात नौजवानों को मौत की नींद सुलाकर सनसनी मचा दी थी। जहरनुमां शराब जानलेवा होकर अपने दुष्परिणाम दिखा रही है। अपराध व नशे की रफाकत चोली-दामन वाली रही है। कई सडक़ हादसे, फसाद, गुनाहों का पसमंजर व जुर्म की दास्तान के पीछे ज्यादातर मद्यपान की भूमिका है। जहरीले नशे के इस बहते दरिया में हजारों परिवारों के सुनहरे अरमान भी बह जाते हैं। अजीब विडंबना है। देश में नशाखोरी की मुखालफत में कई इजलास होते हैं। कई राज्य गांधी जयंती के अवसर पर प्रतिवर्ष 'मद्यनिषेध संकल्प दिवस' का आयोजन करके दुनिया को नशामुक्ति का पैगाम देते हैं। चूंकि 'नशामुक्त भारत' भी गांधी जी का सपना था।

मगर हकीकत यह है कि मधुशालाएं अर्थतंत्र का मजमून लिखकर सरकारी खजाने को गुलजार कर रहीं हैं। देश के शासक तस्लीम कर चुके हैं कि राजस्व बढ़ाने के लिए शराब के कारोबार को बुलंदी पर पहुंचाना होगा। आजादी के बाद देश में शराबबंदी के कई प्रयास हुए मगर विफल रहे। केंद्रीय योजना आयोग ने सन-1954 में देश में शराबबंदी की सिफारिश की थी। शराबबंदी के लिए ही केंद्र सरकार ने सन-1964 में जस्टिस 'टेक चंद' के नेतृत्व में एक कमेटी का गठन किया था। टेकचंद कमेटी ने शराब की आमदनी से प्राप्त कुल राजस्व का पांच प्रतिशत हिस्सा मद्यनिषेध जागरूकता आयोजनों पर खर्च करने का मशविरा भी पेश किया था, मगर मद्यपान को समाज के हर तबके की हिमायत हासिल है। देश के हुक्मरानों से लेकर अदाकारों तक की बज्म-ए-अंजुम में आब-ए-तल्ख की अंजुमन सजती है। नतीजतन देश के किसी भी राज्य की सरकार ने केंद्रीय योजना आयोग व टेकचंद कमेटी के सुझावों को मंजूर नहीं किया। शराब उपभोक्ताओं की जानकारी के लिए 'भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण' ने अल्कोहल की बोतलों पर संवैधानिक चेतावनी का संदेश अनिवार्य किया है कि शराब का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, मगर मदिरा के प्रति मोहब्बत के जज्बात रखने वाले सुरा प्रेमियों पर उस चेतावनी का कोई असर नहीं होता। जहरीली शराब के खौफनाक अंजाम से हर शख्स वाकिफ होने के बावजूद मदिरापान की मकबूलियत व सेवन में कोई कमी नहीं है।

> "अतः मदिरापान के बढ़ते क्रेज पर लगाम लगाने के लिए नीति बने। सरकारों को शराब की बिक्री से प्राप्त राजस्व का मोह त्याग कर उन्नति के बेहतर आयाम हासिल करने के लिए आमदनी के अन्य विकल्प तलाशने होंगे'

मसला यह है कि धूल चेहरे पर जमी है, मगर साफ आईना किया जा रहा है। नतीजतन उपचार ही मर्ज बन रहा है। सर्जिकल स्ट्राईक अवैध शराब के सरगनाओं पर होनी चाहिए। शराब के अवैध अड्डे मरघट में तब्दील होने चाहिए, मगर जहरीली शराब से हो रही दर्दनाक मौतों पर सियासत मुआवजे का मरहम लगाकर संवेदनाओं का इजहार कर देती है। मौत की दावत जहरनुमां शराब से कफन में लिपट रहीं लाशों का जिम्मेवार कौन है, इस पर सियासत मौन है।

बेशक शराब का बढ़ता बाजार मुल्क की मइशत में इजाफा कर रहा है लेकिन गुरबत से जूझ रही आवाम के अर्थतंत्र का एक बड़ा हिस्सा मदिरा की खपत में ही नष्ट हो रहा है। हमारे सत्ताधीश दावे तो भारत को 'जगत गुरू' व आर्थिक महाशक्ति बनाने के कर रहे हैं। जिस युवा ताकत के बल पर राष्ट्र आलमी ताकतों में शुमार होगा वही युवावेग मद्यपान की गिरफ्त में आ रहा है। आखिर आब-ए-तल्ख नशा है या मुनाफे की दुकान या तरक्की का मॉडल। यह जहरीला प्रश्न देश के नीति निर्माताओं को अपने गिरेबान में झांकने को मजबूर करेगा। यदि सुरापान का मुनाफा ही उन्नति का स्रोत है तो गुजरात राज्य के विकास मॉडल पर रायशुमारी होनी चाहिए। नशाखोरी से उत्पन्न बोहरान का दुष्प्रभाव समाज पर ही पड़ता है। ऐसा निजाम जो राजस्व के मोह में समाज को नशेड़ी बनाकर अराजकता व अस्थिरता का तनाजुर पैदा कर दे तो मुल्क के मुस्तकबिल छात्रवर्ग का भविष्य जुल्मत के दौर में चला जाएगा। संगीन वारदातों की तम्हीद नशीली तिजारत पर अंकुश लगाए बिना राष्ट्र का इकबाल बुलंद नहीं होगा। अतः मदिरापान के बढ़ते क्रेज पर लगाम लगाने के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय नीति बने। सरकारों को शराब की बिक्री से प्राप्त राजस्व का मोह त्याग कर उन्नति के बेहतर आयाम हासिल करने के लिए आमदनी के अन्य विकल्प तलाशने होंगे।

चिंतन विचार

विस्तारमेव जयते!

> उन्होंने सवाल उठाया कि क्या ये लोग देश सेवा नहीं करते? कई दिन बीत जाने के बाद जब उन्हें जनहित याचिका के बारे में कोई सूचना नहीं मिली तो वह उच्च न्यायालय में पदस्थ अपने एक मित्र से जानकारी लेने पहुँच गए। उनके मित्र ने बताया कि उनकी याचिका नामंज़ूर हो गई है। कारण पूछने पर पता चला कि स्वयम् न्यायालय भी सेवा विस्तार के भरोसे ही चल रहा है।

यूं तो पूरा देश ही विस्तार पर चल रहा है। पर न जाने क्यों उन्हें सरकारी नौकरी में दिए जाने वाले विस्तार या एक्सटेंशन पर सख्त ऐतराज़ ही नहीं, घनी नफरत भी है। उन्हें लगता है मानो सरकारी नौकरी में मिलने या दी जाने वाली एक्सटेंशन सरकार द्वारा अपने चहेतों के सिर पर बख्शीश बरसाने का ज़रिया भर है। पर उन्होंने कभी यह नहीं सोचा कि कई दशकों से असंख्य योजनाओं का विस्तार केवल घोषणाओं में हो रहा है। यह विस्तार कब तक चलेगा, किसी को पता नहीं। इन योजनाओं में संभावित उजडने वाले लोग भले रात को ठीक से न सो पाएं, पर सरकारें हैं कि उनका दिल बिना विस्तार किए मानता ही नहीं। मिसाल के लिए आप धर्मशाला एयरपोर्ट देख सकते हैं। पिछले बीस सालों से उसका विस्तार हो रहा है। हर पांच साल बाद सरकारें बदलती हैं। पर विस्तार है कि रुकता ही नहीं। हर पार्टी इस हवाई अड्डे के विस्तार के लिए इतनी प्रतिबद्ध है कि सत्ता में आते पूरे जोश-ओ-खरोश के साथ पंचम सुर में राग अलापने लगती है। जिन लोगों के घर या भूमि अधिग्रहित होनी है, बेचारे हर रोज़ सुबह होते ही अपने बिस्तर बांध लेते हैं।

क्या पता सरकार किस घड़ी विस्तार आरंभ कर दे। बात यहीं तक होती तो ठीक था। सरकार के साथ देश के चौकीदार, सेवक, मंत्री, नेता, अफसर, कर्मचारी, पत्रकार, ठेकेदार वग़ैरह यहां तक कि माफिया ने भी अपनी सेवाओं का सहज भाव से इतना विस्तार कर लिया है कि देश अब दिन दौगुनी और रात चौगुनी छलाँगे मारते हुए तरक्की की नई राह पर अग्रसर है। भला देश विश्व की सबसे बड़ी इकॉनमी बनने की ओर यूँ ही आगे थोड़े बढ़ रहा है। सभी का घना योगदान है। इन लोगों ने अपनी सेवाओं का इतना विस्तार कर लिया है कि इनका छींकना भी देश सेवा में शामिल है। पर पता नहीं क्यों उन्हें सेवा विस्तार से इतनी चिढ़ है कि देश के प्रति उनके प्रेम और सेवाओं को देखते हुए सरकार ने सेवानिवृति के उपरान्त उन्हें जब सेवा विस्तार दिया तो उन्होंने न केवल इसे नकार दिया बल्कि सेवा विस्तार के खिलाफ सरेआम मोर्चा भी खोल दिया। उन्होंने सेवा विस्तार के विरुद्ध उच्च न्यायालय में जनहित याचिका करने के लिए प्रक्रिया आरम्भ कर दी। उन्हें अब भी देश की न्यायिक व्यवस्था पर पूरा भरोसा था। कई महीनों के अध्ययन के बाद उन्होंने न्यायालय में दायर अपनी जनहित याचिका में आंकड़ों के साथ बताया कि ऐसे सेवा विस्तार के क्या नुक़सान हैं। नए लोगों को रोज़गार न मिलने से बेरोज़गारी में वृद्धि होती है। सेवाओं की गुणवत्ता में गिरावट के साथ समाज में आर्थिक असमानता में बढ़ोतरी होती है। उन्होंने आम लोगों के साथ मार्गेट थैचर, बिल क्लिंटन, बराक ओबामा और जैसिंडा अर्डर्न के उदाहरण देकर बताया कि किस तरह पश्चिम देशों में लोग सही उम्र में रिटायर होकर नए लोगों के लिए जगह खाली करते हैं।

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या ये लोग देश सेवा नहीं करते? कई दिन बीत जाने के बाद जब उन्हें जनहित याचिका के बारे में कोई सूचना नहीं मिली तो वह उच्च न्यायालय में पदस्थ अपने एक मित्र से जानकारी लेने पहुँच गए। उनके मित्र ने बताया कि उनकी याचिका नामंज़ूर हो गई है। कारण पूछने पर पता चला कि स्वयम् न्यायालय भी सेवा विस्तार के भरोसे ही चल रहा है। स्वयं मुख्य न्यायाधीश के पीए दूसरी बार और पियून तीसरी बार सेवा विस्तार से नवाज़े जा चुके हैं। जल्द ही उनके मित्र भी सेवा विस्तार से अनुगृहीत होने जा रहे हैं। यहाँ तक कि मुख्य न्यायाधीश भी देश सेवा के इतने मुरीद हैं कि कुछ दिन बाद होने वाली सेवानिवृति से पहले ही उनकी सेवाओं के विस्तार के लिए राज्य सभा सीट बुक हो चुकी है। न्यायालय परिसर से बाहर आते हुए वह सोच रहे थे कि क्या सेवा विस्तार से उनका इन्क़ार उचित था। देश प्रेम में डूब कर, राष्ट्र सेवा के लिए अगर वह अपनी सेवाओं को विस्तार देते तो देश की उन्नति के कितने बड़े गवाह हो सकते थे।.

अडानी ग्रुप के बाद TCS और Infosys पर संकट! अमेरिका के रीजनल बैंकों में है सबसे ज्यादा एक्सपोजर

पी.वी. न्यूज

अमेरिका में एक हफ्ते के भीतर दो रीजनल बैंक डूब चुके हैं। अमेरिका से शुरू हुआ यह संकट यूरोप पहुंच चुका है। यह भारत की आईटी सेक्टर के लिए अच्छी खबर नहीं है। जेपी मोर्गन की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के रीजनल बैंक्स में टीसीएस और इन्फोसिस का सबसे ज्यादा एक्सपोजर है। बैंकिंग संकट से इन कंपनियों की परेशानी बढ़ सकती है।

नई दिल्ली: भारतीय शेयर बाजार अभी तक अडानी ग्रुप (Adani Group) के संकट से भी पूरी तरह नहीं उबर पाया है कि एक और मुसीबत ने दरवाजे पर दस्तक दे दी है। अमेरिका से शुरू बैंकिंग संकट (Banking Crisis) यूरोप पहुंच चुका है। माना जा रहा है कि यह आगे और गहरा सकता है। इस बीच जेपी मोर्गन (JPMorgan) के एनालिस्ट्स का कहना है कि वित्तीय संकट से जूझ रहे अमेरिका के बैंकों में सबसे ज्यादा एक्सपोजर भारत की दो बड़ी आईटी कंपनियों टीसीएस (TCS) और इन्फोसिस (Infosys) का है। उनके कुल रेवेन्यू में अमेरिका के रीजनल बैंक्स की हिस्सेदारी 2-3 फीसदी है। हाल में डूब गए सिलिकॉन वैली बैंक में टीसीएस, इन्फोसिस और माइंडट्री (Mindtree) का एक्सपोजर 10 से 20 बेसिस पॉइंट हो सकता है। इसमें टाटा ग्रुप (Tata Group) की कंपनी टीसीएस का एक्सपोजर सबसे ज्यादा है।

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक जेपी मोर्गन ने एक नोट में कहा कि इन तीनों कंपनियों को सिलिकॉन वैली बैंक में अपने एक्सपोजर के लिए प्रॉविजन करना पड़ सकता है। इसमें कहा गया है कि एसवीबी और सिग्नेचर बैंक के डूबने तथा अमेरिका और यूरोप में लिक्विडिटी की चिंताओं बैंक शॉर्ट टर्म में अपने टेक बजट को कम कर सकते हैं। देश की आईटी इंडस्ट्री पहले ही यूरोप और अमेरिका में मैक्रोइकॉनमिक एनवायरमेंट की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। महामारी के कारण डिमांड कम हुई है। इस कारण कंपनियां टेक्नोलॉजी पर खर्च कम कर रही हैं। बैंकिंग क्राइसिस से स्थिति और बदतर हो सकती है। इस कारण अगली कुछ तिमाहियों में आईटी कंपनियों का रेवेन्यू प्रभावित हो सकता है।

किससे आता है सबसे ज्यादा रेवेन्यू

भारतीय आईटी कंपनियों का सबसे ज्यादा रेवेन्यू बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेस और इंश्योरेंस (BFSI) सेक्टर से आता है। इस सेक्टर में अमेरिकी बैंकों में उनका एक्सपोजर औसतन 62 फीसदी और यूरोप में 23 फीसदी है। माइंडट्री ने हाल में कहा था कि एसवीबी समेत अमेरिकी बैंकों में उसका एक्सपोजर मामूली है।

विश्व बैंक ने नए वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी का अनुमान घटाकर 6.3% किया

रिपोर्ट में कहा गया है, "कर्ज महंगा होने और आय में धीमी वृद्धि से निजी उपभोग की वृद्धि पर असर पड़ेगा और महामारी से संबंधित राजकोषीय समर्थन उपायों को वापस लेने के कारण सरकारी खपत में भी धीमी वृद्धि का अनुमान है।

नई दिल्ली। विश्व बैंक ने मंगलवार को अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2024 में खपत में नरमी के कारण भारत की जीडीपी कम होकर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। बता दें कि पहले देश की जीडीपी 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। विश्व बैंक ने अपने इंडिया डेवलपमेंट अपडेट में कहा है कि खपत में धीमी वृद्धि और चुनौतीपूर्ण बाहरी परिस्थितियों के कारण विकास दर के बाधित होने की आशंका है।

कर्ज महंगा होने और आय में धीमी वृद्धि से प्रभावित हो सकती है जीडीपी

रिपोर्ट में कहा गया है, ₹कर्ज महंगा होने और आय में धीमी वृद्धि से निजी उपभोग की वृद्धि पर असर पड़ेगा। वहीं, महामारी से संबंधित राजकोषीय समर्थन उपायों को वापस लेने के कारण सरकारी खपत में भी धीमी वृद्धि का अनुमान है ।₹ रिपोर्ट में चालू खाते का घाटा वित्त वर्ष 24 में कम होकर 2.1 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है, जो बीते वित्त वर्ष में तीन प्रतिशत था। मुद्रास्फीति पर विश्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह घटकर 5.2 प्रतिशत रह जाएगी, जो हाल ही में खत्म हुए बीते वित्त वर्ष में 6.6 प्रतिशत थी।

अमेरिका और यूरोप के बाजार में जारी उथल-पुथल ने भारतीय बाजार के लिए जोखिम पैदा किया

विश्व बैंक के अर्थशास्त्री ध्रुव शर्मा के अनुसार अमेरिका और यूरोप के वित्तीय बाजारों में हालिया उथल-पुथल ने भारत सहित उभरते बाजारों में अल्पकालिक निवेश के प्रवाह के लिए जोखिम पैदा किया है। विश्लेषकों और अर्थशास्त्रियों के अनुसार भारत का सेवा निर्यात अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया था इससे अर्थव्यवस्था को बाहरी जोखिमों से बचने में मदद मिलेगी क्योंकि धीमी वैश्विक अर्थव्यवस्था के कारण देश के व्यापारिक निर्यात पर असर पड़ने की आशंका है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सेवा क्षेत्र का निर्यात अब केवल आईटी सेवाओं से संचालित नहीं किया जा रहा है, बल्कि परामर्श और अनुसंधान और विकास जैसे अधिक आकर्षक प्रस्तावों से भी ये सचालित हो रहे हैं।

एडीबी ने भी विकास दर का अनुमान घटाया

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने मंगलवार को कहा कि कड़ी मौद्रिक स्थिति और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि मार्च 2023 को समाप्त वित्त वर्ष में इसमें 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, एडीबी को उम्मीद है कि परिवहन के बुनियादी ढांचे, लॉजिस्टिक्स और व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार के लिए सरकारी नीतियों के कारण निजी खपत और निजी निवेश से वित्त वर्ष 25 में देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रह सकती है।

इनसाइड

'महंगाई का सबसे बुरा दौर गुजर चुका', अमेरिका के बैंकिंग संकट पर ये बोले गवर्नर शक्तिकांत दास

नई दिल्ली। आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि हमारा विदेशी कर्ज मैनेजेबल (नियंत्रण में) है, इसलिए डॉलर के मजबूत होने से हमें कोई समस्या नहीं है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि बैंकिंग प्रणाली के लिए अत्यधिक जमा या ऋण वृद्धि खराब है। उन्होंने कहा विश्व अर्थव्यवस्था में बड़ी गिरावट का जोखिम समाप्त हो गया है। दास ने कहा, ₹हमारा वित्तीय क्षेत्र स्थिर है और हमने महंगाई के सबसे बुरा दौर को पीछे छोड़ दिया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि हमारा विदेशी कर्ज मैनेजेबल (नियंत्रण में) है, इसलिए डॉलर के मजबूत होने से हमें कोई समस्या नहीं है। RBI गवर्नर ने डॉलर में वृद्धि के कारण उच्च विदेशी ऋण जोखिम वाले देशों की मदद के लिए G20 देशों की ओर से समन्वित प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जी-20 देशों को युद्ध स्तर पर सबसे अधिक प्रभावित देशों को जलवायु परिवर्तन वित्तपोषण प्रदान करना चाहिए। दास के अनुसार अमेरिका में जारी बैंकिंग संकट मजबूत नियामकों और सतत वृद्धि के महत्व को बढ़ाता है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मौजूदा अमेरिकी बैंकिंग संकट स्पष्ट रूप से वित्तीय प्रणाली के लिए निजी क्रिप्टोकरेंसी के जोखिम को दर्शाता है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने 17वें के पी होर्मिस स्मारक व्याख्यान में कहा कि अमेरिकी बैंकों का संकट विवेकपूर्ण परिसंपत्ति देनदारी प्रबंधन की जरूरत को दर्शाता है। दास ने सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने का जिक्र करते हुए कहा कि बैंकों को बांड में निवेश करने से पहले उचित जोखिम आकलन करना चाहिए।

कहीं काम के दबाव में ऑफिस में सो रहे लोग, ये कंपनी सोने की दे रही छुट्टी, वो भी भारत में

नई दिल्ली: ऑफिस में कर्मचारियों को कई तरह की छुट्टी दी जाती हैं। इसमें सिक लीव, ईएल और सीएल शामिल होती हैं। लेकिन कई बार ऑफिसों में काम के दबाव के बीच लोगों को छुट्टियां नहीं मिल पाती हैं। पिछले दिनों सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हुई थी। इसमें ट्विटर (Twitter) की एक कर्मचारी ऑफिस में बिस्तर लगाकर सोते हुए दिख रही थी। लेकिन अगर किसी ऑफिस में आपको सोने के लिए भी छुट्टी दी जाए तो आप क्या कहेंगे। एक कंपनी अपने कर्मचारियों को सोने के लिए छुट्टी दी है। ये कोई विदेशी कंपनी नहीं बल्कि भारत की कंपनी है। आज वर्ल्ड स्लीप डे (World Sleep Day 2023) पर बेंगलुरु की कंपनी ने अपने कर्मचारियों को यह अनोखा गिफ्ट दिया है। बेंगलुरु की एक फर्म ने अपने कर्मियों को अनोखा गिफ्ट दिया है। कंपनी ने इंटरनेशनल स्लीप डे (World Sleep Day 2023) पर सभी को छुट्टी दे दी है ताकि वे सो सकें। कंपनी ने कहा कि उसे यह घोषणा करते हुए काफी खुशी हो रही है कि शुक्रवार 17 मार्च 2023 को अंतराष्ट्रीय नींद दिवस के मौके पर वैकल्पिक छुट्टी दी गई है।

क्रिप्टो बाजार पर बिकवाली का दबाव, ट्विटर का लोगो बदलने से डोजकॉइन की कीमतें उछलीं

डॉग को फिलहाल डोजकॉइन क्रिप्टोकरेंसी के लोगो के रूप में जाना जाता है, जिसे 2013 में सॉफ्टवेयर इंजीनियरों बिली मार्कस और जैक्सन पामर ने महज एक मजाक के रूप में बना दिया था। उस समय इस क्रिप्टोकरेंसी को बनाने का मकसद महज क्रिप्टोकरेंसी के भविष्य का मजाक उड़ाना था।

नई दिल्ली। डॉग मीम के ट्विटर का लोगो बनने के बाद ट्विटर को फायदा होगा या नुकसान यह तो वक्त ही बताएगा पर फिलहाल इससे डोजकॉइन की कीमतों में बड़ा उछाल आया है। एलन मस्क की ओर से ट्विटर ब्लू बर्ड की जगह डॉग मीम्स को ट्विटर का लोगो बनाने के बाद डोजकॉइन की कीमतों में लगभग 30 प्रतिशत तक का उछाल आया है।

डॉग को फिलहाल डोजकॉइन क्रिप्टोकरेंसी के लोगो के रूप में जाना जाता है, जिसे 2013 में सॉफ्टवेयर इंजीनियरों बिली मार्कस और जैक्सन पामर ने महज एक मजाक के रूप में बना दिया था। उस समय इस क्रिप्टोकरेंसी को बनाने का मकसद महज क्रिप्टोकरेंसी के भविष्य का मजाक उड़ाना था।

बिटकॉइन की कीमतों में आई गिरावट

बता दें कि ट्विटर के वेब ब्राउजर के शीर्ष बाईं ओर होम बटन पर पहले नीले पक्षी का लोगो हुआ करता था, लेकिन रातोंरात इसे ₹शीबा इनु₹ के कार्टून के साथ बदल दिया गया, जो कि एक डॉग मीम है। सबसे पुराना और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टो टोकन बिटकॉइन है और पिछले 24 घंटों में इसकी वैल्यू में 1.03 प्रतिशत की गिरावट आई है। बॉययूकॉइन के अनुसार, इसकी कीमतें 23,37,459 रुपये से घटकर 23,13,355 रुपये पर पहुंच गई। बिटकॉइन का बाजार पूंजीकरण कुल 44.9 ट्रिलियन रुपये का है।

डोजकॉइन की कीमतों में आई मजबूती

अन्य क्रिप्टोकरेंसीज भी निवेश का अच्छा विकल्प बन रही है। शिबा इनु (Shiba Inu) की थीम वाले डोजकॉइन (इसका सिंबल DOGE है) की शुरुआत मजाक के तौर पर हुई थी लेकिन यह लोकप्रिय टोकन बन चुका है। इसका प्राइस 6.50 रुपये से बढ़कर 8.11 रुपये पर है। पिछले 24 घंटों में इसमें लगभग 24.77 प्रतिशत का बदलाव हुआ है। इसका मार्केट कैप 1.1T रुपये है।

इथर की कीमतें भी उछलीं

वहीं, पिछले 24 घंटों में इथर (ETH) का की कीमतें 1,49,097 रुपये से 1,49,872 रुपये हो गई है। इसका मार्केट कैप लगभग 18.5T रुपये का है। इसी अवधि में लाइटकॉइन (LTC) की जिसका मार्केट कैप 557.6B रुपये का है, 7,640.90 रुपये से लगभग (0.42) प्रतिशत घटकर 7,609.8 रुपये का है। रिपल या XRP एक अन्य लोकप्रिय टोकन है। इसका मार्केट कैप 2.1T रुपये है। पिछले 24 घंटों में इसकी कीमतें 42.56 रुपये से 40.79 रुपये हो गई है।

कैसे कर सकते हैं मैक्सिमम टैक्स सेविंग ? जानिए, एक्सपर्ट की राय

नई दिल्ली: भारतीय शेयर बाजार अभी तक अडानी ग्रुप (Adani Group) के संकट से भी पूरी तरह नहीं उबर पाया है कि एक और मुसीबत ने दरवाजे पर दस्तक दे दी है। अमेरिका से शुरू बैंकिंग संकट (Banking Crisis) यूरोप पहुंच चुका है। माना जा रहा है कि यह आगे और गहरा सकता है। इस बीच जेपी मोर्गन (JPMorgan) के एनालिस्ट्स का कहना है कि वित्तीय संकट से जूझ रहे अमेरिका के बैंकों में सबसे ज्यादा एक्सपोजर भारत की दो बड़ी आईटी कंपनियों टीसीएस (TCS) और इन्फोसिस (Infosys) का है। उनके कुल रेवेन्यू में अमेरिका के रीजनल बैंक्स की हिस्सेदारी 2-3 फीसदी है। हाल में डूब गए सिलिकॉन वैली बैंक में टीसीएस, इन्फोसिस और माइंडट्री (Mindtree) का एक्सपोजर 10 से 20 बेसिस पॉइंट हो सकता है। इसमें टाटा ग्रुप (Tata Group) की कंपनी टीसीएस का एक्सपोजर सबसे ज्यादा है।

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक जेपी मोर्गन ने एक नोट में कहा कि इन तीनों कंपनियों को सिलिकॉन वैली बैंक में अपने एक्सपोजर के लिए प्रॉविजन करना पड़ सकता है। इसमें कहा गया है कि एसवीबी और सिग्नेचर बैंक के डूबने तथा अमेरिका और यूरोप में लिक्विडिटी की चिंताओं बैंक शॉर्ट टर्म में अपने टेक बजट को कम कर सकते हैं। देश की आईटी इंडस्ट्री पहले ही यूरोप और अमेरिका में मैक्रोइकॉनमिक एनवायरमेंट की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। महामारी के कारण डिमांड कम हुई है। इस कारण कंपनियां टेक्नोलॉजी पर खर्च कम कर रही हैं। बैंकिंग क्राइसिस से स्थिति और बदतर हो सकती है। इस कारण अगली कुछ तिमाहियों में आईटी कंपनियों का रेवेन्यू प्रभावित हो सकता है।

किससे आता है सबसे ज्यादा रेवेन्यू

भारतीय आईटी कंपनियों का सबसे ज्यादा रेवेन्यू बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेस और इंश्योरेंस (BFSI) सेक्टर से आता है। इस सेक्टर में अमेरिकी बैंकों में उनका एक्सपोजर औसतन 62 फीसदी और यूरोप में 23 फीसदी है। माइंडट्री ने हाल में कहा था कि एसवीबी समेत अमेरिकी बैंकों में उसका एक्सपोजर मामूली है। टीसीएस देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी और मार्केट कैप के हिसाब से मुकेश अंबानी (Mukesh Ambani) की रिलायंस इंडस्ट्रीज (Reliance Industries) के बाद दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है। टीसीएस का शेयर शुक्रवार को 0.18 फीसदी गिरावट के साथ 3178.95 रुपये पर बंद हुआ। दूसरी ओर इन्फोसिस का शेयर 10.4 फीसदी की तेजी के साथ 1420.85 रुपये पर पहुंच गया।

आईडीबीआई बैंक ने शुरू की अमृत महोत्सव एफडी स्कीम, निवेशकों को 7.65% तक मिलेगा ब्याज

बैंक ने नियमित और वरिष्ठ नागरिकों के लिए इन जमाओं पर उच्च ब्याज दरों की पेशकश करते हुए 2 दिनों की एक नई ₹अमृत महोत्सव एफडी₹ योजना भी शुरू की है। 444 दिनों की अमृत महोत्सव एफडी योजना के तहत बैंक सामान्य, एनआरई और एनआरओ कैटेगरी के तहत आने वाले लोगों को 7.15% की ब्याज दर प्रदान करता है।

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के आईडीबीआई बैंक ने दो करोड़ रुपये से कम की सावधि जमा पर ब्याज दरों में संशोधन किया है। बैंक ने नियमित और वरिष्ठ नागरिकों के लिए इन जमाओं पर उच्च ब्याज दरों की पेशकश करते हुए 2 दिनों की एक नई ₹अमृत महोत्सव एफडी₹ योजना भी शुरू की है।

444 दिनों की अमृत महोत्सव एफडी योजना के तहत बैंक सामान्य, एनआरई और एनआरओ कैटेगरी के तहत आने वाले लोगों को 7.15% की ब्याज दर प्रदान करता है। वहीं वरिष्ठ नागरिकों के लिए इस स्कीम के तहत 7.65% ब्याज दर का प्रावधान है।

बैंक 7 से 30 दिनों के बीच की परिपक्वता वाली सावधि जमा पर 3.0 प्रतिशत की दर से ब्याज देता है। जबकि आईडीबीआई बैंक अब 31 से 45 दिनों के बीच परिपक्वता वाली जमा पर 3.35 प्रतिशत ब्याज दर प्रदान करता है। 46 से 90 दिनों के लिए रखी गई जमा राशि पर आईडीबीआई बैंक अब 4.25% ब्याज देता है।

वहीं, 91 दिन से 6 महीने के लिए रखी गई जमा के लिए ब्याज दर 4.75% है। 6 महीने, 1 दिन से 1 साल की परिपक्वता वाली जमा पर 5.50% की दर से ब्याज मिलेगा और 1 वर्ष से 2 वर्ष (444 दिनों के अलावा) की परिपक्वता वाली जमा पर 6.75% की दर से ब्याज मिलेगा। बैंक दो से तीन साल की परिपक्वता वाली सावधि जमा पर 6.50% ब्याज दर प्रदान करता है, जबकि आईडीबीआई बैंक तीन से दस साल की परिपक्वता वाली जमा पर 6.25% ब्याज दर प्रदान करता है।

प्यार में दिल टूटा तो आशिक को मिले 25000, जानिए क्या है हार्ट ब्रेक इंश्योरेंस फंड

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर प्रतीक आर्यन नाम के एक ट्विटर यूजर का एक पोस्ट खूब वायरल हो रहा है। प्रतीक ने अपने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट पर अपने पोस्ट में लिखा है कि उसने और उसकी गर्ल फ्रेंड ने अपनी प्रेम कहानी शुरू करने के दौरान तय किया था कि वे दोनों हर महीने एक ज्वॉइंट अकाउंट में 500 रुपये जमा करेंगे और जो धोखा खाएगा उसे पूरी राशि दे दी जाएगी। प्यार में दिल टूटने पर अक्सर लोग हताश और निराश हो जाते हैं। कुछ लोग इससे उबरने में सफल हो जाते हैं पर कुछ लोगों के लिए ये किसी सदमे से कम नहीं होता है। ऐसे लोगों के लिए ये खबर उम्मीद की एक किरण साबित हो सकती है। आइए जानते हैं सोशल मीडिया पर वर्णित हार्ट ब्रेक इंश्योरेंस फंड के बारे में, जो प्यार में धोखा खाकर टूट चुके लोगों को दोबारा आत्मविश्वास हासिल करने में बड़ी मदद कर सकता है। सोशल मीडिया पर प्रतीक आर्यन नाम के एक ट्विटर यूजर का एक पोस्ट खूब वायरल हो रहा है। प्रतीक ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट पर अपने पोस्ट में लिखा है कि उसने और उसकी गर्ल फ्रेंड ने अपनी प्रेम कहानी शुरू करने के दौरान तय किया था कि वे दोनों हर महीने एक ज्वॉइंट अकाउंट में 500 रुपये जमा करेंगे। दोनों ने यह समझौता किया था कि जो भी धोखा खाएगा, उसे ये पूरी राशि हार्टब्रेक इंश्योरेंस फंड के रूप में दे दी जाएगी। बाद में प्रतीक ने इस मद में 25 हजार रुपये मिलने की बात कही है। मतलब उनका ब्रेकअप हो गया है और उन्हें हार्टब्रेक इंश्योरेंस फंड के रूप में 25 हजार रुपये मिल गए हैं।

चीन ने अरुणाचल के 11 स्थानों के नाम बदले; भारत ने क्या जवाब दिया, क्या है सीमावर्ती राज्य का मसला

चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश के लिए 11 स्थानों के मानकीकृत नाम जारी किए। इनमें दो भूमि क्षेत्र, दो रिहायशी इलाके, पांच पर्वत चोटियां और दो नदियां शामिल हैं।

नई दिल्ली। चीन अपनी चालबाजी से कभी बाज नहीं आता। अब उसने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश 11 स्थानों के नाम बदलने की कोशिश की है। उसने ये नाम चीनी, तिब्बती और पिनयिन भाषाओं में जारी किए हैं। ड्रैगन का ये कदम तब आया है, जब भारत ने हाल ही में सीमावर्ती राज्य अरुणचाल प्रदेश में जी20 कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत एक अहम बैठक आयोजित की थी। इस बैठक में चीन शामिल नहीं हुआ था। अब कुछ दिन बाद उसने एक बार फिर भारत को उकसाने की कोशिश की है।

अरुणाचल के मुद्दे पर अभी क्या हुआ है? क्या पहले भी नाम बदलने का प्रयास कर चुका है चीन? चीन के कदम पर भारत की प्रतिक्रिया क्या रही? हाल के वर्षों में कैसे रहे हैं दोनों देशों के रिश्ते और आखिर अरुणाचल का पूरा मसला है क्या?

अरुणाचल के मुद्दे पर अभी क्या हुआ?

चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश के लिए 11 स्थानों के मानकीकृत नाम जारी किए। ड्रैगन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी चीन का हिस्सा बताता है और इसे जांगनान कहता है। सरकार के नियंत्रण वाले अखबार ग्लोबल टाइम्स ने सोमवार को खबर में कहा कि मंत्रालय ने रविवार को 11 स्थानों के 'आधिकारिक' नाम जारी किए हैं। इनमें दो भूमि क्षेत्र, दो रिहायशी इलाके, पांच पर्वत चोटियां और दो नदियां शामिल हैं। यहां तक कि सूची में अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर के करीब एक शहर भी शामिल है।

क्या पहले भी नाम बदलने का प्रयास कर चुका चीन?

यह पहली बार नहीं है जब चीन ने भारतीय क्षेत्रों के नाम बदलकर इन्हें अपना बताने की कोशिश की हो। चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय द्वारा अरुणाचल प्रदेश के लिए जारी मानकीकृत भौगोलिक नामों की यह तीसरी सूची है। इससे पहले अरुणाचल में छह स्थानों के मानकीकृत नामों का पहला बैच 2017 में जारी किया गया था। यह घोषणा 2017 में दलाई लामा के अरुणाचल दौरे के कुछ दिनों बाद हुई थी। तब चीन ने तिब्बती आध्यात्मिक नेता की यात्रा पर भी आपत्ति जताई थी। वहीं, 15 स्थानों का दूसरा बैच 2021 में जारी किया गया था।

चीन के कदम पर भारत की प्रतिक्रिया क्या रही?

भारत ने अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों के नाम बदलने के चीन के हालिया कदम को सिरे से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक बयान में कहा, 'हमने ऐसी रिपोर्ट देखी हैं। यह पहली बार नहीं है, जब चीन ने इस तरह का प्रयास किया है। हम इसे सिरे से खारिज करते हैं।' उन्होंने आगे कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और रहेगा। मनगढ़ंत नामों को बताने का प्रयास इस वास्तविकता को नहीं बदलेगा।

हाल के वर्षों में कैसे रहे हैं दोनों देशों के रिश्ते?

पिछले कुछ वर्षों में चीन और भारत के संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। 2017 में भारत और चीन की सेनाओं के बीच डोकलाम को लेकर तनाव देखने को मिला था। पूर्वी लद्दाख में 2020 में गतिरोध देखने को मिला था। पिछले साल दिसंबर में अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर भारत और चीन के सैनिकों के बीच खूनी झड़प हुई। इसमें भारत के छह जवान घायल हुए, जबकि चीन के 19 से ज्यादा सैनिकों को गंभीर चोटें लगी। इसके अलावा व्यापार को लेकर भी चीन और भारत के बीच तनाव रहा है। भारत ने पिछले कई वर्षों में टिकटॉक समेत कई चीनी एप को बैन किया है।

अरुणाचल प्रदेश में बुनियदी ढांचों के विकास पर जोर

हाल के वर्षों में चीन अक्सर उकसाने वाली कार्रवाई करता रहा है। भारत भी ड्रैगन को हर तरीके से पलटवार करता आया है। साथ ही भारत ने अरुणाचल प्रदेश में एलएसी से सटे इलाकों में, विशेष रूप से तवांग क्षेत्र में अग्रिम क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। वहीं, पूर्वी अरुणाचल में बुनियादी ढांचा तेजी से मजबूत कर रहा है। इस बुनियादी ढांचे के विकास में सड़कों से लेकर ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट तक शामिल हैं, जिनसे देश की सीमा पर मौजूद इलाकों तक पहुंचना आसान हो जाएगा। चीन को भले ही यह खटक रहा हो, लेकिन भारत इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे सीमा तक पहुंच में सुधार हो रहा है। इसका लाभ नागरिकों को मिलेगा ही, देश की सैन्य क्षमताएं भी बढ़ेंगी।

रक्षा मंत्रालय व सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, अरुणाचल फ्रंटियर हाईवे इन बड़े विकास कार्यों का अहम हिस्सा है। इस पर साल 2022 में काम शुरू हुआ, इसे तेजी देने के लिए कई जगह भारी मशीनरी तैनात की गई। 2,000 किमी लंबी इस सड़क का निर्माण भूटान के निकट मार्गों से शुरू हुआ है। यह तवांग, ऊपरी सुबनसिरी, तूतिंग, मेचुका, ऊपरी सियांग, दिबांग घाटी, दसली, चगलागाम, किबिथू, डोंग से होती हुई म्यांमार सीमा के निकट विजयनगर पर पूरी होगी।

सेला टनल से घटेगी दूरी, बचेगा एक घंटे का समय

अरुणाचल में सीमा सड़क संगठन द्वारा 13,700 फुट ऊंचाई पर बनाई जा रही सेला टनल जुलाई 2023 तक पूरी होने की उम्मीद है। प्रोजेक्ट के मुख्य इंजीनियर ब्रिगेडियर रमन कुमार ने बताया कि परियोजना में सिंगल-लेन सड़क डबल हो रही हैं, सेला बाईपास के लिए दो टनल और कई हेयरपिन-बैंड यानी तीखे मोड़ भी बन रहे हैं। 475 मीटर और 1790 मीटर लंबी यह दो टनल तवांग से वेस्ट कामेंग को बांटने वाली सेला-चाब्रेला पर्वत पर बन रही हैं। इनसे दूरी नौ किमी घटेगी, जिससे करीब एक घंटे का समय भी बचेगा। पूरी होने पर सेला टनल विश्व की सबसे लंबी बाई-टनल कहलाएगी।

अरुणाचल का मसला क्या है पूरा?

भारत और चीन के बीच सीमा विवाद सालों से चलता आ रहा है। भारत के ऐसे कई इलाके हैं, जिन पर चीन अपना दावा करता है। इन्हीं में से एक है अरुणाचल प्रदेश, जो भारत का 24वां राज्य है और भौगोलिक दृष्टि से पूर्वोत्तर के राज्यों में यह सबसे बड़ा राज्य है। चीन कई सालों से इसके पीछे हाथ धोकर पड़ा है। असल में वो इसे अपना इलाका मानता है। चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत बताता है। वैसे तो तिब्बत ने भी कई साल पहले खुद को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया था, लेकिन चीन इसको नहीं मानता और उस पर अपना अधिकार बताता है।

PM मोदी की चुप्पी का परिणाम भुगत रहा देश': चीन द्वारा अरुणाचल की जगहों के नाम बदलने पर कांग्रेस का बड़ा हमला

जयराम रमेश ने कहा कि 'हाल ही में एक शीर्ष चीनी राजदूत ने दावा किया था कि भारत चीन सीमा पर स्थिति अब स्थिर है लेकिन चीन की आक्रामकता जारी है। अब उसने तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश की जगहों के चीनी नाम जारी किए हैं। इससे पहले 2017 और 2021 में भी ऐसा किया गया था।'

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश की कई जगहों के नाम रखने पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस का कहना है कि चीन को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा क्लीन चिट दे दी गई है। चीन की कार्रवाई पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर भी कांग्रेस ने सवाल खड़े किए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि देश प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चीन को क्लीन चिट दिए जाने का परिणाम भुगत रहा है।

'प्रधानमंत्री ने चीन को दी क्लीन चिट'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने ट्वीट में लिखा कि 'तीसरी बार चीन ने हिमाकत की है कि वह अरुणाचल प्रदेश में हमारे इलाकों का नामकरण कर रहा है। 21 अप्रैल 2017 को छह जगहों, 30 दिसंबर 2021 को 15 जगहों और तीन अप्रैल 2023 को 11 जगहों के नाम रखे गए। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और हमेशा रहेगा। गलवान घटना के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जो चीन को क्लीन चिट दी, उसी का परिणाम देश भुगत रहा है।'

जयराम रमेश ने उठाए सवाल

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भी इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि 'हाल ही में एक शीर्ष चीनी राजदूत ने दावा किया था कि भारत चीन सीमा पर स्थिति अब स्थिर है लेकिन चीन की आक्रामकता जारी है। अब उसने तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश की जगहों के चीनी नाम जारी किए हैं। इससे पहले 2017 और 2021 में भी ऐसा किया गया था।' जयराम रमेश ने कहा कि 'पीएम मोदी की चीन को जून 2020 में दी गई क्लीन चिट और चीन की कार्रवाई पर पीएम की चुप्पी की कीमत देश चुका रहा है।' जयराम रमेश ने कहा कि करीब तीन साल बाद चीन की सेना, भारतीय सैनिकों को रणनीतिक रूप से अहम देपसांग में पेट्रोलिंग नहीं करने दे रही है, जबकि पहले वहां पेट्रोलिंग होती थी। अब चीन अरुणाचल प्रदेश में यथास्थिति को बदलने की कोशिश कर रहा है।

11 जगहों के बदले चीन ने नाम

चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश की 11 जगहों का नामकरण किया है। ये नाम तिब्बती, चीनी और पिनइन लिपि में रखे हैं। जिन जगहों के नाम रखे गए हैं, उनमें दो आवासीय क्षेत्र, पांच पर्वतीय क्षेत्र और दो नदियों के नाम शामिल हैं। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने यह जानकारी दी है।

सिक्किम के नाथु-ला में भारी हिमस्खलन, सात की मौत, 11 घायल

हिमस्खलन मंगलवार दोपहर में करीब 12.20 बजे हुआ। इसमें घायल हुए छह लोगों ने नजदीकी सैन्य अस्पताल में दम तोड़ दिया। इनमें चार पुरुष, एक महिला और एक बच्चा शामिल है।

नई दिल्ली। सिक्किम नाथु-ला में मंगलवार सुबह भारी हिमस्खलन हुआ, जिसमें सात पर्यटकों की मौत हो गई और 11 पर्यटक गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को निकटवर्ती अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। 23 पर्यटकों को बचा लिया गया है। लेकिन अभी भी कइ लोगों के फंसे होने आशंका है। सेना ने तुरंत युद्ध स्तर पर राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिया है।

सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 11.10 बजे, गंगटोक को नाथु-ला से जोड़ने वाले जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर भारी हिमस्खलन हुआ। नाथु-ला के रास्ते में 20-30 पर्यटकों के साथ लगभग 5-6 वाहनों के बर्फ के नीचे दबे होने की आशंका है। घटना की जानकारी मिलते ही त्रिशक्ति कोर, भारतीय सेना और बीआरओ परियोजना की स्वास्तिक की टीम तुरंत राहत व बचाव कार्य शुरू किया।

सेना प्रवक्ता ने बताया कि शाम चार बजे तक 23 पर्यटकों को बचाया गया है, इनमें छह को गहरी घाटी से बचाया गया है। उन्हें भारतीय सेना की नजदीकी चिकित्सा सुविधाओं में स्थानांतरित कर दिया गया। इस हादसे में सात लोगों ने दम तोड़ दिया है। सूत्रों के मुताबिक इनमें चार पुरुष, दो महिला और एक बच्चा शामिल है। घायलों को इलाज के लिए गंगटोक के एसटीएनएम अस्पताल और सेंट्रल रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सेना, राज्य आपदा प्रबंधन दल और पुलिस लोगों की तलाश में राहव वह बचाव अभियान जारी रखे हुए है। इसके अलावा सड़क से बर्फ हटाने के बाद रास्ते में फंसे 350 पर्यटकों और 80 वाहनों को बचाया गया।

समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, सिक्किम नाथुला सीमा क्षेत्र में बड़े हिमस्खलन से छह पर्यटकों की मौत होने और 11 लोगों के घायल होने की खबर है। वहीं, समाचार एजेंसी एएनआई के ने पुलिस अधिकारियों के हवाले से बताया कि गंगटोक को नाथुला से जोड़ने वाले जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर 14वें मील पर बचाव अभियान जारी है। बर्फ में फंसे 22 पर्यटकों को रेस्क्यू कर लिया गया है। सड़क से बर्फ हटाने के बाद 350 फंसे पर्यटकों और 80 वाहनों को भी बचा लिया गया है।

नए नाम ईजाद करने से हकीकत नहीं बदलेगी: चीन को भारत की दो टूक, अरुणाचल में 11 जगहों के नाम बदलने पर दिया जवाब

परिवहन विशेष न्यूज

यह तीसरी बार है जब चीन के नागरिक मंत्रालय की ओर से अपने रिकॉर्ड में अरुणाचल प्रदेश के नाम को बदला गया है। इससे पहले 2017 में छह और 2021 में 15 जगहों का नाम चीन ने जारी किया था। हालांकि पहले भी भारत की ओर से इसे लेकर चीन को करारा जवाब मिलता रहा है।

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा करने वाले चीन को भारत ने दो टूक जवाब दिया है। भारत ने कहा कि नाम बदलने से हकीकत नहीं बदल जाएगी। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग था और आगे भी रहेगा। दरअसल, चीन ने एक बार फिर चीन ने अरुणाचल से जुड़ी जगहों का नाम अपने नक्शे में बदला है। चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश की 11 जगहों के नए नाम जारी किए। चीन अरुणाचल पर अपना दावा करता रहा है। मंत्रालय की ओर से रविवार को 11 जगहों के आधिकारिक नाम जारी किए गए, जिसमें दो भूमि क्षेत्र, दो आवासीय क्षेत्र, पांच पर्वत चोटियां और दो नदियां शामिल हैं। इसपर अब भारत ने तीखा हमला किया है।

पहले भी ऐसी हरकत कर चुका है चीन

यह तीसरी बार है जब चीन के नागरिक मंत्रालय की ओर से अपने रिकॉर्ड में अरुणाचाल प्रदेश के नाम को बदला गया है। इससे पहले 2017 में छह और 2021 में 15 जगहों का नाम चीन ने जारी किया था। हालांकि पहले भी भारत की ओर से इसे लेकर चीन को करारा जवाब मिलता रहा है। भारत ने पहले भी चीन के इस तरह के कदम को खारिज कर दिया था। भारत ने पहले भी कहा था कि यह राज्य हमेशा भारत का अभिन्न अंग रहा है और रहेगा। नाम बदलने से यह तथ्य नहीं बदल जाएगा।

भारत ने कैसे दिया जवाब?

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक बयान जारी कर कहा कि चीन ऐसे नाम ईजाद कर रहा है जिससे हकीकत नहीं बदलेगी। उन्होंने आगे कहा, 'हमने ऐसी खबरें देखी हैं। यह पहली बार नहीं है जब चीन ने ऐसा प्रयास किया है। हम इसे सिरे से खारिज करते हैं।' बागची ने कहा, 'अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविच्छेद्य अंग है, था और हमेशा रहेगा। आविष्कृत नाम देने का प्रयास इस वास्तविकता को नहीं बदलेगा।' इसके पहले 2021 में जब चीन ने नाम बदले थे तब भी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कड़ा जवाब दिया था।

दलाई लामा की यात्रा के बाद बदला था नाम

साल 2017 में दलाई लामा अरुणाचल प्रदेश की यात्रा पर गए थे। चीन ने उनकी इस यात्रा की आलोचना की थी और कुछ दिनों बाद पहली बार नाम को बदला था। पिछले कुछ वर्षों में चीन और भारत के संबंध तनावपूर्ण देखने को मिले हैं। 2017 में भारत और चीन की सेनाओं के बीच डोकलाम को लेकर टकराव देखने को मिला था। इसके अलावा व्यापार को लेकर भी चीन और भारत के बीच तनाव रहा है। भारत ने पिछले कई वर्षों में कई चीनी एप को बैन किया है।

'बंगाल लंबे समय से पीड़ित, हम इस पीड़ा का जल्द खात्मा करेंगे', हुगली के दौरे पर बोले राज्यपाल बोस

नई दिल्ली। चंदननगर पुलिस कमिश्नर ने हिंसा के बाद हुगली जिले के रिशरा और सेरमपोरे इलाके में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीआरपीसी की धारा 144 लागू कर दी है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस हुगली के हिंसाग्रस्त इलाकों के दौरे पर पहुंचे हैं। वहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों से घटना के बारे में जानकारी ली। हुगली के रेलवे स्टेशन के बाहर आज भी पथराव हुआ था। राज्यपाल स्टेशन भी पहुंचे और वहां पुलिस अधिकारियों से बातचीत की। इससे पहले अपने एक बयान में राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि हम काली ताकतों को समाज का सौहार्द बिगाड़ने नहीं देंगे। हम उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। लोगों को शांति से जीने का अधिकार है और इस अधिकार की किसी भी कीमत पर रक्षा की जाएगी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने हुगली में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि 'कानूनी एजेंसियों द्वारा इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। हम शरारती तत्वों को कानून अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं देंगे। पुलिस ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई करेगी। बंगाल लंबे समय से पीड़ित है और हम इस पीड़ा को जल्द खत्म करेंगे।'

हावड़ा हिंसा में बिहार से हुई गिरफ्तारी

पश्चिम बंगाल पुलिस ने बिहार से एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुमित साव (19 वर्ष) के रूप में हुई है। दरअसल सुमित साव हावड़ा में निकाले गए रामनवमी के जुलूस में शामिल था और उस जुलूस में वह हथियार लेकर शामिल हुआ था। एक वीडियो फुटेज में सुमित शोभायात्रा के दौरान रिवॉल्वर हवा में लहराता दिख रहा है। वहीं बिहार से युवक की गिरफ्तारी पर तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा को घेरा है और भाजपा पर सुनियोजित तरीके से हिंसा कराने का आरोप मढ़ दिया है।

टीएमसी पर भाजपा पर लगाए गंभीर आरोप

तृणमूल कांग्रेस के राज्य महासचिव कुणाल घोष का कहना है कि रामनवमी पर हावड़ा में भड़की हिंसा की घटना में भाजपा की शोभायात्रा में एक युवक हथियार के साथ दिख रहा है। जिससे यह साबित हो गया है कि भाजपा ने उकसावे की साजिश रची थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए लेखक स्वयं जिम्मेदार हैं। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023